राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उतरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 03 अगस्त 2025 वर्ष-8,अंक-165 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भगवान बुद्ध की अस्थियां नीलाम करने वाला था अमेरिकी परिवार

केंद्रीय मंत्री बोले-

- भारत सरकार ने रुकवाई नीलामी, 127 साल बाद देश लौटीं

जोधपुर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा- 127 साल बाद भगवान बुद्ध की अस्थियां अपनी 'वास्तविक भूमि' पर लौट आई हैं। ये अस्थियां साल 1898 में उत्तर प्रदेश के पिपरहवा में मिली थीं। इन्हें अंग्रेजों के शासन काल में देश से बाहर भेज दिया गया था। इस साल एक अंतरराष्ट्रीय नीलामी में इन्हें प्रदर्शित किया गया था। तब से ही पीएम नरेंद्र मोदी ने इन्हें भारत लाने का फैसला कर लिया था। अमेरिका में रहने वाला परिवार इन्हें नीलाम करने वाला था। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री शेखावत ने बुधवार को

इन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर प्राप्त किया। मंत्री ने शनिवार को जोधपुर में अपने आवास पर जनसुनवाई के दौरान इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी कह चुके हैं-भारत भगवान बुद्ध का देश है। केंद्रीय मंत्री ने कहा- भगवान बुद्ध के परिनिर्वाण के बाद में उनकी अस्थियों को 8 हिस्सों में बांटा गया था। आठवां हिस्सा, उनके परिवार के शाक्य वंश के हिस्से में आया था। उसे उन्होंने कपिलवस्तु के पिपरहवा में एक पत्थर के बक्से (बॉक्स) में जमीन में रखा था। 1898 में अंग्रेजों के समय हुई खुदाई में यह बक्सा मिला था। उस बक्से में भगवान बुद्ध की अस्थियां एक क्रिस्टल के बॉक्स में रखी थीं। दूसरे बॉक्स में उनके भतीजे, परिवार के अन्य सदस्यों का सामान था।

'ऑपरेशन सिंदूर' बाबा विश्वनाथ को समर्पित

- काशी में बोले पीएम मोदी-मैंने अपना वादा पूरा किया

कहा-महादेव का एक रूप कल्याण है तो दूसरा रौद्र है

बनारस (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे, जहां उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता को भगवान महादेव के चरणों में समर्पित करते हुए इसे एक पूरा किया गया वादा बताया। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की निर्मम हत्या के जवाब में चलाए गए इस ऑपरेशन को प्रधानमंत्री ने बेटियों के सिंदूर का बदला कहा।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा, यह हमला मेरे लिए बेहद दर्दनाक था। खासकर उन महिलाओं के लिए जिनके सुहाग उजड़ गए। मैंने वचन दिया था कि मैं उनकी मांग का सिंदूर नहीं मिटने दूंगा। महादेव की कृपा से वह वादा अब पूरा हुआ है।

लखपति दीदी का आंकड़ा सुनकर सपा वाले साइकिल लेकर भाग जाएंगे

मोदी ने कहा-हमारा देश में तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। अब तक डेढ़ करोड़ से ज्यादा लखपति दीदी बन चुकी हैं। लक्ष्य का आधा काम पूरा कर लिया। ये आंकड़ा सुनकर सपा वाले साइकिल लेकर भाग जाएंगे। सरकार के ड्रोन दीदी अभियान ने लाखों लोगों की आय बढ़ाई है। अगर पाकिस्तान ने फिर कोई पाप किया तो यूपी में बनी मिसाइलें आतंकियों को तबाह कर देंगी। आज यूपी इतनी तेजी से विकास कर रहा है। सपा के समय में यूपी में अपराधी बेखौफ थे।

कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर को तमाशा कहा

कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर को तमाशा कहा है। क्या सिंदूर को कोई तमाशा कह सकता है। हमारी सेना का पराक्रम और बहनों के सिंदूर का बदला... तमाशा कहने की ये हिम्मत...ये निर्लज्जता...वोटबैंक और तुष्टीकरण की इस राजनीति में सपा भी पीछे नहीं है। सपा के नेता संसद में कह रहे थे कि पहलगाम के आतंकियों को अभी क्यों मारा। अब बताइए, मैं फोन करके इनसे पूछूं। ये वही लोग हैं जब यूपी में सत्ता में थे तो आतंकियों को क्लीनचिट देते थे। बम धमाके करने वालों से मुकदमे वापस लेते थे। मैं काशी की धरती से कहना चाहता हूं। ये नया भारत है। भोलेनाथ को भी पूजता है। दुश्मनों के सामने काल भैरव भी बन जाता है। विरोधी संसद में कह रहे थे कि पहलगाम के आतंकियों को क्यों मारा। क्या सपा वालों को फोन करूं क्या। क्या आतंकियों को भागने का मौका देना चाहिए था। पाकिस्तान के कई सारे एयरबेस आज भी आईसीयू में पड़े हैं। पाकिस्तान दुखी है। ये तो सब कोई समझ सकता है, लेकिन पाकिस्तान का ये दुख सपा और कांग्रेस से सहन नहीं हो रहा। उधर, आतंक का आका रोता है। इधर कांग्रेस-सपा वाले आतंकियों की हालत देखकर रोते हैं।

हमें तो कभी बोलने नहीं दिया जब खुद बोले तो हटा दिए गए

कांग्रेस चीफ मल्लिकार्जुन खरगे का जगदीप धनखड़ पर तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पर तंज

कसा है। उन्होंने कहा कि जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा के सभापति पद पर रहते हुए विपक्ष को सदन में बोलने नहीं दिया। जब धनखड़ ने खुलकर बोलना शुरू कर दिया और केंद्र सरकार के साथ अन्य मुद्दों पर तालमेल बैठाने से इनकार कर दिया, तो उन्हें अपने पद से ही हटा दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक खरगे ने दावा किया कि पूर्व सभापति को जस्टिस यशवंत वर्मा मामले में विपक्षी सांसदों द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव पर, सरकार की मंशा अनुरूप कार्य न करने की वजह से हटाया गया। खरगे ने कहा,उनसे कहा गया कि या तो वह प्रस्ताव को वापस ले लें या इस्तीफा दें दें। उन्होंने इस्तीफा दे दिया। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान खरगे ने कभी भी विपक्षी सांसदों को बोलने की अनुमति नहीं दी। कांग्रेस सांसद रजनी अशोक राव पाटिल के मामले का जिक्र करते हुए खरगे ने कहा,पिछले उपराष्ट्रपति हमें बोलने नहीं देते थे। वे हमें निलंबित कर देते थे, हमारी एक महिला सांसद को सात महीने के लिए निलंबित कर दिया गया था। गौरतलब है कि कांग्रेस सांसद पाटिल पर 2023 में बजट सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही का वीडियो बनाने और सोशल मीडिया पर साझा करने का आरोप लगा था, जिसके बाद तत्कालीन सभापति धनखड़ ने उन्हें निलंबित कर दिया था।

इलेक्शन सिस्टम पूरी तरह मर चुका है

- राहुल गांधी ने फिर लगाए आरोप, कहा-सीटों में हुई धांधली
- राजनाथ सिंह बोले-अगर सबूतों का एटम बम है तो फोड़ दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने पिछले 10 दिनों में तीसरी बार इलेक्शन कमीशन पर निशाना साधा है। राहुल ने शनिवार को कहा, भारत का इलेक्शन सिस्टम मर चुका है। हम आने वाले कुछ दिनों में आपको साबित कर देंगे कि लोकसभा चुनाव में कैसे धांधली हो सकती है और हुई भी। भारत के पीएम के पास बहुत कम बहुमत है। अगर 10-15 सीटों पर भी धांधली न होती तो वे भारत के प्रधानमंत्री भी नहीं होते। राहुल ने ये बातें दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एनुअल लीगल कॉन्क्लेव- 2025 में कहीं। इससे पहले राहुल ने 1 अगस्त को कहा था कि, चुनाव आयोग वोटों की चोरी करा रहा

है। हमारे पास एटम बम है। जब फटेगा तो चुनाव आयोग बचेगा नहीं। राहुल के इस बयान का रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को जवाब दिया। राजनाथ

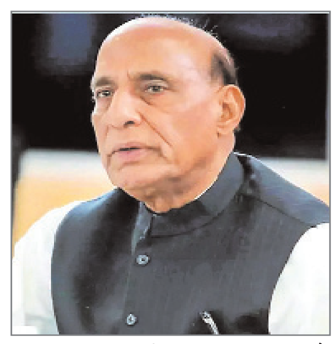

बोले- अगर आपके पास परमाणु बम है तो उसे फोड़ दें। हां इतना ख्याल रखें कि आप सुरक्षित रहें। 2014 से ही मुझे इलेक्शन सिस्टम पर संदेह रहा है। भाजपा का इतनी बड़ी जीत हासिल करना आश्चर्यजनक था। मैं बिना सबूत के कुछ नहीं कह सकता था, लेकिन अब मैं बिना किसी संदेह के कहता हूं कि हमारे पास सबूत हैं। लोकसभा में, हम चुनाव जीते। और फिर चार महीने बाद, हम न केवल हारे, बल्कि पूरी तरह से खत्म हो गए। हमने पाया कि महाराष्ट्र में, लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच एक करोड़ नए मतदाता जुड़े। इनमें से ज्यादातर वोट भाजपा को जाते हैं। संविधान की रक्षा करने वाली संस्था को मिटाकर उस पर कब्जा कर लिया गया है। हमारे पास ऐसे सबूत हैं जो पूरे देश को दिखा देंगे कि चुनाव आयोग जैसी संस्था का कोई अस्तित्व ही नहीं।

प्रज्वल रेवन्ना को उम्रकैद: कर्नाटक सेक्स स्कैंडल में अदालत ने दिया फैसला

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजनीति को हिला देने वाले चर्चित सेक्स स्कैंडल मामले में अदालत ने पूर्व सांसद और जेडीएस नेता प्रज्वल रेवन्ना को उम्रकैद की सजा सुनाई है। शनिवार को अदालत ने फैसला सुनाते हुए उन्हें दो मामलों में उम्रकैद और 11 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई, जो पीड़िता को मुआवजे के रूप में दी जाएगी।

यह मामला पहली बार तब प्रकाश में आया था जबकि एक पीड़िता ने प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ रेप, यौन उत्पीड़न, धमकी और साइबर अपराध जैसे संगीन आरोप लगाए। सबसे अहम सबूत बना पीड़िता की साड़ी, जिसे उसने वारदात के बाद सुरक्षित रख लिया था। फोरेंसिक जांच में साड़ी पर स्पर्म के निशान मिले, जिससे अदालत को पुख्ता प्रमाण मिला। साथ ही पीड़िता ने घटना का वीडियो रिकॉर्डिंग भी अदालत को सौंपी, जिसमें प्रज्वल का चेहरा साफ दिख रहा था।

वीडियो कॉल पर जबरन अश्लीलता

पीड़िता के अनुसार, 2020-2021 के दौरान रेवन्ना उसे वीडियो कॉल पर कपड़े उतारने के लिए मजबूर करता था। मना करने पर, उसने धमकी दी कि वो उसके पिता की नौकरी छीन लेगा और मां-बेटी दोनों का जीवन बर्बाद कर देगा। वह पीड़िता की मां के फोन पर कॉल कर बेटी को वीडियो कॉल उठाने के लिए मजबूर

करता था। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि पीड़िता की मां ने भी आरोप लगाया कि उनके साथ भी बेंगलुरु के बसवनगुड़ी स्थित आवास में रेप किया गया। इसका वीडियो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। पीड़िता ने आरोप लगाया कि रेवन्ना परिवार का यौन शोषण का इतिहास रहा है, और उसके पिता एचडी रेवन्ना भी इसमें शामिल रहे हैं।

नौकरानियों का भी शोषण

पीड़िता के अनुसार, रेवन्ना परिवार में छह महिलाएं घरेलू काम करती थीं, जिनमें से तीन अन्य नौकरानियों ने भी आगे आकर बयान दिए कि उनके साथ भी अश्लील हरकतें की गईं। पीड़िता ने कहा, कि उसने हमें गुलामों की तरह रखा। हमें धमकाया और मजबूर किया कि हम चुप रहें। परिवार को जमीन बेचनी पड़ी, पिता की नौकरी गई, मां को घर से दूर रहना पड़ा। जब केस दर्ज हुआ तो उन्हें धमकाया गया और केस वापस लेने के लिए लालच भी दिया गया।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रॉबर्ट वाड्रा को झटका: राउज एवेन्यू कोर्ट ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) मामले में अदालत का नोटिस भेजा गया है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने वाड्रा और ईडी मामले में आरोपी के रूप में सूचीबद्ध कई अन्य व्यक्तियों और कंपनियों को नोटिस भेजा है। प्रवर्तन निदेशालय ने हाल ही में मामले में तीन व्यक्तियों और आठ फर्मों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। 28 अगस्त को होने वाली सुनवाई में पूर्व-संज्ञान स्तर पर उनकी भूमिकाओं की जाँच की जाएगी। यह मुकदमे के लिए औपचारिक आरोप-पत्र जारी करने से पहले उठाया गया एक न्यायिक कदम है। 28 अगस्त की कार्यवाही यह निर्धारित करेगी कि क्या अदालत प्रवर्तन निदेशालय के मामले में पर्याप्त योग्यता से संतुष्ट है

और मामले को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। एक अन्य मामले में, ईडी ने दिल्ली की एक अदालत से कहा है कि हरियाणा के शिकोहपुर में रॉबर्ट वाड्रा से जुड़े भूमि सौदे में कथित अनियमितताएं धन शोधन का स्पष्ट और अनूठा मामला है। विशेष न्यायाधीश सुशांत चगोत्रा इस मामले में वाड्रा को नोटिस जारी करने के लिए ईडी की प्रारंभिक दलीलों पर सुनवाई कर रहे थे। ईडी ने 17 जुलाई को मामले में एक आरोपपत्र दाखिल किया था, जिसमें वाड्रा का भी नाम है। ईडी ने दलील दी, यह धन शोधन का एक स्पष्ट और अनूठा मामला है। अपराध की आय का उपयोग अंचल संपत्तियां हासिल करने के लिए किया गया। साक्ष्य निर्णायक रूप से स्थापित करते हैं कि यह धन शोधन का अपराध है जहां अपराध की आय उत्पन्न होती है और उसका उपयोग किया जाता है।

नेशनल हेराल्ड भ्रष्टाचार मामले में सुनवाई टली, अगली सुनवाई 18 अक्टूबर को

सोनिया और राहुल गांधी मामले में जमानत पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल हेराल्ड भ्रष्टाचार मामले में राऊज एवेन्यू कोर्ट में अगली सुनवाई 18 अक्टूबर को होगी। पहले यह सुनवाई शनिवार को होनी थी, लेकिन इस सुनवाई को टाल दिया गया है।

दरअसल मामला भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की शिकायत से जुड़ा है। बीजेपी नेता स्वामी ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस नेताओं ने 2,000 करोड़ रुपए की नेशनल हेराल्ड कंपनी को केवल 50 लाख रुपए में हासिल कर लिया, जिसे उन्होंने अवैध और धोखाधड़ी बताया है। स्वामी ने अपनी शिकायत में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की मांग की है। उनका आरोप है कि यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड (वॉयआईएल), जो कांग्रेस पार्टी की सहयोगी कंपनी है, ने नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों पर अवैध कब्जा किया। बात दें कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी को मामले में अदालत से जमानत मिल चुकी है।

मामले की पृष्ठभूमि

नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र की स्थापना 1938 में देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने की थी। इस समाचार पत्र को एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) द्वारा प्रकाशित किया जाता था। 2008 में वित्तीय संकट के कारण समाचार पत्र बंद हो गया। इसके बाद 2010 में यंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (वॉयआईएल) का गठन हुआ, जिसमें सोनिया और राहुल गांधी की 38-38 प्रतिशत हिस्सेदारी है। 2012 में बीजेपी नेता स्वामी ने आरोप लगाया कि वॉयआईएल ने एजेएल की 2,000 करोड़ से अधिक की संपत्तियों को मात्र 50 लाख रुपए में हासिल किया। उन्होंने धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया।

इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी मामले की जांच शुरू की। ईडी की जांच में सामने आया कि गांधी परिवार द्वारा लाभान्वित यंग इंडियन ने केवल 50 लाख रुपए में एजेएल की 2,000 करोड़ रुपए की संपत्तियां हासिल कीं, जिनकी बाजार कीमत कहीं अधिक थी। नवंबर 2023 में ईडी ने करीब 661 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियां और 90.2 करोड़ रुपए के एजेएल शेयरों को जब्त किया, जिन्हें अपराध की आय माना गया है।

अमेरिका ने 7 महीने में 1700 भारतीय निकाले

-इनमें 1562 पुरुष और 141 महिलाएं; विदेश राज्य मंत्री बोले- बीते 5 साल में 5541 डिपोर्ट किए

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने साल 2025 में शुरुआती 7 महीने में अबतक 1703 भारतीय नागरिकों को भारत डिपार्ट किया है। इनमें 1562 पुरुष और 141 महिलाएं शामिल हैं। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लोकसभा में लिखित उत्तर में ये जानकारी दी। उनका जवाब डीएमके सांसद कनिमोझी ने विदेश मंत्रालय के सवाल पर आया, जिसमें पूछा गया था कि क्या सरकार जनवरी 2025 से अमेरिका से डिपोर्ट किए भारतीय नागरिकों का डेटा रखती है?

सिंह ने कहा कि बीत 5 साल (2020 से 2024) के बीच अमेरिका से कुल 5541 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया। इसी अवधि में ब्रिटेन से 311 भारतीयों को वापस भेजा गया है। यहां से 2025 में अबतक 131 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया है। उन्होंने कहा कि डिपोर्ट की वास्तविक संख्या में अंतर आ सकता है, क्योंकि कुछ मामलों में भारतीय नागरिकों के पास वैध यात्रा दस्तावेज होते हैं, फिर भी ब्रिटेन सरकार उन्हें सीधे डिपोर्ट कर देती है। इसके अलावा अवैध भारतीय प्रवासियों को जारी किए गए आपातकालीन यात्रा दस्तावेज का पूरा उपयोग नहीं हो पाता, क्योंकि वे कोर्ट में अपील करके अपने डिपोर्टेशन को टाल सकते हैं।

अमानवीय व्यवहार को लेकर कड़ी आपत्ति जताई

मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि अमेरिका और अन्य देशों से डिपोर्ट किए जा रहे भारतीयों के साथ मानवीय व्यवहार हो इसके लिए भारत लगातार उनसे संपर्क में है। 5 फरवरी 2025 के बाद अब तक किसी डिपोर्ट फ्लाइट में यात्रियों के साथ अमानवीय व्यवहार की कोई शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में हथकड़ी पहनाए जाने, साथ ही महिलाओं-बच्चों के साथ व्यवहार को लेकर भारत सरकार ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई।

छत्तीसगढ़ में गिरफ्तार केरल की ननों को एनआईए कोर्ट से मिली जमानत

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले की एक एनआईए स्पेशल कोर्ट ने मानव तस्करी और जबरन धर्मांतरण के आरोप में गिरफ्तार केरल की दो कैथोलिक ननों और एक अन्य व्यक्ति को कुछ शर्तों के साथ जमानत दे दी है। नन प्रीति मैरी और वंदना फ्रांसिस को सुखमन मंडावी नामक व्यक्ति के साथ 25 जुलाई को दुर्ग रेलवे स्टेशन पर राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने बजरंग दल के एक पदाधिकारी की शिकायत के बाद गिरफ्तार किया था। आरोप था कि तीनों नारायणपुर की तीन लड़कियों का जबरन धर्म परिवर्तन करवा रहे थे और उनकी तस्करी कर रहे थे। शिकायतकर्ता ने दावा किया था कि लड़कियों को नर्सिंग ट्रेनिंग और नौकरी का वादा करके आगरा ले जाया जा रहा था। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सिराजुद्दीन कुरैशी की अदालत ने सुनवाई के बाद जमानत याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखा था। बचाव पक्ष के वकील अमृतो दास ने बताया कि अदालत ने तीनों को सशर्त जमानत दे दी है। वकील ने बताया कि अभियोजन पक्ष ने पूछताछ के लिए तीनों की हिरासत की मांग नहीं की थी और कथित पीड़ितों को उनके घर वापस भेज दिया गया था। वहीं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मामले को राजनीतिक रंग देने वालों पर निशाना साधकर कहा था कि मामला अदालत में विचाराधीन है और कानून अपना काम करेगा। उन्होंने कहा कि यह महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ा एक गंभीर मामला है और जांच जारी है। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ को एक शांतिपूर्ण राज्य बताया, जहां सभी धर्मों और समुदायों के लोग सद्भावना से रहते हैं, और बस्तर की बेटियों की सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील मुद्दे को राजनीतिक रंग देना दुर्भाग्यपूर्ण बताया। केरल की ननों की गिरफ्तारी का मुद्दा हफ्ते की शुरुआत में विपक्षी दलों ने संसद में भी उठाया था। जमानत मिलने पर कांग्रेस सांसद जेबी माथेर ने खुशी व्यक्त कर कहा कि भाजपा, आरएसएस और बजरंग दल का असली चेहरा सामने आ गया है और इस मामले में उनका विभाजनकारी एजेंडा साफ दिखाई दे रहा है। कांग्रेस विधायक रोजी मुल्लनमदक्कल जॉन ने झूठा मामला बताकर ननों की रिहाई पर संतोष व्यक्त किया।

मालेगांव ब्लास्ट में मोदी का नाम ले लो तो तुम्हें नहीं पीटेंगे, छोड़ देंगे...प्रज्ञा ठाकुर का हैरान करने वाला खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में विशेष एनआईए अदालत द्वारा प्रज्ञा ठाकुर को बरी किए जाने के कुछ दिनों बाद, पूर्व भाजपा सांसद ने एक चौंकाने वाला दावा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें ÷प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और अन्य के नाम लेने के लिए मजबूर किया गया और प्रताड़ित किया गया। उन्होंने कहा कि मैंने सब कुछ लिखित में दे दिया है और उन सभी के नाम भी बताए हैं जिनका नाम लेने के लिए मुझे मजबूर किया गया था। वे कहते रहे, %इन लोगों के नाम बताओ तो हम तुम्हें नहीं मारेंगे।% उनका मुख्य उद्देश्य मुझे प्रताड़ित करना था।

तत्कालीन यूपीए सरकार पर निशाना साधते हुए प्रज्ञा ठाकुर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस झूठे मामले के पीछे है, जो भगवा और सशस्त्र बलों को बदनाम करने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा है। इसे धर्म की जीत बताते हुए प्रज्ञा ने कहा, कांग्रेस ने अपनी साजिश के तहत यह झूठा मामला दर्ज कराया। इसका कोई आधार नहीं था। कांग्रेस धर्म विरोधी है। यह आतंकवादियों को पालने वाली पार्टी है। कांग्रेस कभी राष्ट्रवादी पार्टी नहीं बन सकती। प्रज्ञा ने आगे आरोप लगाया कि उन्हें उचित चिकित्सा सुविधा नहीं दी गई - बस इतना ही कि मैं किसी तरह चल सकूँ।

उन्होंने आगे कहा कि इसीलिए आज मेरी यह हालत है। मैं अंदर से पूरी तरह कमज़ोर हो गई हूँ। महाराष्ट्र के मालेगांव में हुए एक शक्तिशाली विस्फोट के सत्रह साल बाद, विशेष एनआईए अदालत ने गुरुवार को ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया। आतंकवाद निरोधक कानून एजेंसी पर निशाना साधते हुए विशेष न्यायाधीश ए.के. लाहोटी ने कहा कि केवल संदेह के आधार पर मामले को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। उन्होंने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा।

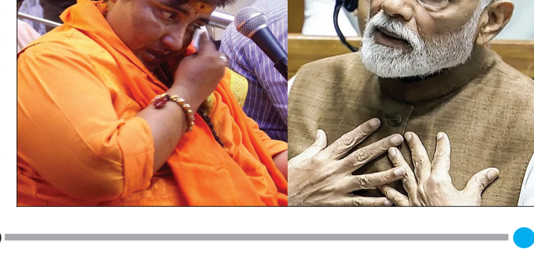

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आपसी मित्रता बढ़ाने की सख़्त ज़रूरत

(लेखक- किशन सनमुखदास भावनानी)

(अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस 3 अगस्त 2025)

वैश्विक स्तरपर आज विभिन्न देशों के बीच कटुता बढ़ती जा रही है। विभिन्न समुदायों के बीच नफ़रत का दायरा बढ़ता जा रहा है। आंदोलनों का जाल अनेकों देश में घटित समस्याओं के चलते बढ़ता जा रहा है जो हम भारत-पाकिस्तान, रूस-यूक्रेन, इसराइल -हमास कंबोडिया-थाईलैंड,अमेरिका-ईरान,चीन- ताइवान व अन्य देशों के बीच सहित अनेको देशों में देख रहे हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इन सब समस्याओं को पाटनें का सबसे सरल सस्ता सटीक उपाय है,मित्रता! दोस्ती, अपनापन, यदि इस सटीक अस्त्र का उपयोग दुनियां के सभी देश करें तो यूक्रेन-रूस, हमास- इजरायल ईरान- इजरायल के बीच युद्ध व विभिन्न अंतरराष्ट्रीय यूनियनों के बीच कटुता कभी नहीं बढ़ेगी। विश्व के चारों ओर शांति रूपी स्नेह की बारिश होगी तो, खुशहाली को आना ही पड़ेगा। जिसपर हर देश का नागरिक खुशहाल जीवन का लुफ्त उठाएंगे। इसलिए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 27 अप्रैल 2011 को अपने 65 वें सेशन में एजेंडा आइटम नंबर 15 कल्चर ऑफ पीस के अंतर्गत 30 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय मित्रता दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। जबकि भारत अमेरिका बांग्लादेश सहित अनेकों देश अंतर्राष्ट्रीय फ्रेंडशिप डे अगस्त के पहले रविवार को मनाते आ रहे हैं जो इस वर्ष 2025 के अगस्त का पहला रविवार 3 अगस्त 2025 आया है। वर्तमान परिपेक्ष में अगर मित्रता का वैश्विक परिपेक्ष लेकर, दुनियां के पूरे देशों और नागरिकों द्वारा वर्ष 2025 में अपनाया जाती है तो मेरा मानना है कि आपसी युद्ध की नौबत कभी नहीं आएगी। चूंकि अच्छे मित्र का साथ हो तो बड़ी से बड़ी चुनौतियों सेआसानी से निपटा जा सकता है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,राजनीति और मित्रता - आदर्श या अवसरवाद?-अच्छे मित्र का साथ हो तो,बढ़ी से बढ़ी चुनौतियों से आसानी से निपटा जा सकता है।

साथियों बात अगर हम मित्र के महत्व को समझने की करें तो, कोई व्यक्ति जन्म के बाद खुद से अपने बल पर जो पहला रिश्ता बनाता है, उसे दोस्ती कहते हैं। परिवार से बाहर एक दोस्त ही हमारा मार्गदर्शक,सलाहकार, राजदार और शुभचिंतक होता है। इसी दोस्ती के नाम एक खास दिन समर्पित किया गया है,जिसे फ्रेंडशिप डे के तौर पर मनाया जाता है। हालांकि दुनियां भर में साल में दो बार दोस्ती दिवस मनाते हैं। ऐसे में कई लोग असमंजस में हैं कि असली मित्रता दिवस किस दिन मनाएं। आमतौर पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अंतर्राष्ट्रीय फ्रेंडशिप डे 30 जुलाई को मनाया जाता है, जबकि भारत में हर साल अगस्त माह के पहले रविवार को मनाया जाता है, इस दिन हर कोई अपने दोस्तों के साथ एंजॉय करता है, इस साल भारत में 3 अगस्त को फ्रेंडशिप डे मनाया जा रहा है।व्यक्ति के जीवन में दोस्त जरूर होते हैं। अगर न हों तो एक दोस्त जरूर बनाना चाहिए। दोस्ती कभी भी हो सकती हैं, उसमें उम्र, लिंग या किसी अन्य तरीके का कोई भेद नहीं होता। दोस्त आपका ऐसा समर्थक होता है जो हमारी तरक्की के लिए अच्छी सलाह देता है और हमारी खुशी में खुश होता है। ऐसे में हमारे जीवन को सरल, सुलझा हुआ और अधिक मनोरंजक बनाने के लिए दोस्ती दिवस मनाते हैं और इस मौके पर दोस्त को खास महसूस कराते हैं।दोस्ती जीवन के सबसे अनमोल बंधनों में से एक है।यह रिश्ता खून का न होते हुए भी बढ़-चढ़कर साथ निभाता है।सात अक्षरों का शब्द फ्रैंड्स बेशक बहुत सरल हो, लेकिन जब हम किसी परेशानी में होते हैं तो दोस्त हमारे साथ होते हैं। वैसे तो दोस्ती को सेलिब्रेट करने के लिए किसी खास दिन की जरूरत नहीं है,फिर भी इस दिन को और खास बनाने के लिए हर साल फ्रेंडशिप-डे मनाया जाता है।यह दिन दोस्तों के महत्व और हमारे जीवन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को भी सम्मान और मान्यता देता है। यह दिन प्रशंसा व्यक्त करने, रिश्तों को मजबूत करने और दोस्ती से मिलने वाली खुशी का जश्न मनाने का अवसर है। इस दिन,लोग आम तौर पर उपहारों का आदान-प्रदान करते हैं, संदेश भेजते हैं और एक साथ समय बिताते हैं, ये सभी मजबूत और सहायक दोस्ती के महत्व को मजबूत करने में मदद करते हैं। जबकि विशिष्ट तिथि देश के अनुसार अलग-अलग हो सकती है, मूल विचार एक ही रहता है, यानी हमारे जीवन को समृद्ध करने वाले रिश्तों का जश्न मनाना और उन्हें संजोने को रेखांकित करना जरूरी है।

साथिया बातें अगर हम 3 अगस्त 2025 को अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस के परिपेक्ष में राजनीति और मित्रता एक आदर्श या अवसरवाद के रूप में देखे तो,भारत और अमेरिका की दोस्ती को राजनीति और अवसरवाद दोनों के नजरिए से देखा जा सकता है। जिसका सटीक उदाहरण ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ जो 1 अगस्त 2025 से लागू था उसको 7 अगस्त तक एक्सटेंशन कर दिए हैं कुछ विश्लेषकों का मानना है कि यह एक रणनीतिक साझेदारी है जो दोनों देशों के हितों को साधने का काम करती है,जबकि अन्य इसे अवसरवादी संबंधों के रूप में देखते हैं, जहां दोनों देश अपने- अपने फायदे के लिए एक-दूसरे का इस्तेमाल करते हैं। जो रेखांकित करने वाली बात है

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय मित्रता दिवस को मनाने के विचार व उद्देश्यों की करें तो, संयुक्त राष्ट्र ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर लिखा,संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 2011 में अंतर्राष्ट्रीय मैत्री दिवस की घोषणा इस विचार के साथ की गई थी कि लोगों, देशों, संस्कृतियों और व्यक्तियों के बीच मित्रता शांति प्रयासों को प्रेरित कर सकती है और समुदायों के बीच सेतु का निर्माण कर सकती है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों, देशों, संस्कृतियों और व्यक्तियों के बीच मैत्री को संजोना था, जो शांति प्रयासों को प्रेरित कर सकें और समुदायों के बीच सेतु का निर्माण कर सकें। अंतर्राष्ट्रीय मैत्री दिवस मनाने के लिए,संयुक्त राष्ट्र सरकारों राष्ट्रों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और अन्य सामाजिक समूहों को मित्रता और इसके महत्व के बारे में लोगों के बीच संवाद को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम,प्रतियोगिताएं और अन्यगतिविधियां आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। हमारा विश्व अनेक चुनौतियों, संकटों और विभाजनकारी शक्तियों का सामना कर रहा है,जैसे गरीबी, हिंसा, मानवाधिकारों का हनन,तथा अन्य अनेक जो विश्व के लोगों के बीच शांति, सुरक्षा, विकास और सामाजिक सद्भाव को कमजोर करते हैं।उन संकटों और चुनौतियों का सामना करने के लिए, मानव एकजुटता की साझा भावना को बढ़ावा देने और उसका बचाव करके उनके मूल कारणों का समाधान किया जाना चाहिए, जिसके कई रूप हैं, जिनमें से सबसे सरल है मित्रता।मित्रता के माध्यम से,सौहार्दपूर्ण संबंधों को संचित करके और विश्वास के मजबूत संबंध विकसित करके,हम उन मूलभूत बदलावों में योगदान दे सकते हैं जो स्थायी स्थिरता प्राप्त करने के लिए तत्काल आवश्यक हैं, एक सुरक्षा जाल बुन सकते हैं जो हम सभी की रक्षा करेगा, और एक बेहतर विश्व के लिए जुनून पैदा करेगा जहां सभी लोग व्यापक भलाई के लिए सटीकता से एकजुट होंगे।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय मित्रता दिवस की पृष्ठभूमि की करें तो,प्रस्ताव में युवा लोगों को भावी नेताओं के रूप में सामुदायिक गतिविधियों में शामिल करने पर जोर दिया गया है, जिसमें विभिन्न संस्कृतियां शामिल हों और अंतर्राष्ट्रीय समझ और विविधता के प्रति सम्मान को बढ़ावा मिले।अंतर्राष्ट्रीय मैत्री दिवस के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और नागरिक समाज समूहों को ऐसे आयोजन, गतिविधियां और पहल करने के लिए प्रोत्साहित करता है जो सभ्यताओं के बीच संवाद, एकजुटता, आपसी समझ और सामंजस्य को बढ़ावा देने की दिशा में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के प्रयासों में योगदान दें।अंतर्राष्ट्रीय मैत्री दिवस एक पहल है जो यूनेस्को द्वारा शांति की संस्कृति को मूल्यों, दृष्टिकोणों और व्यवहारों के एक समूह के रूप में परिभाषित करने के प्रस्ताव पर आधारित है जो हिंसा को अस्वीकार करते हैं और समस्याओं को हल करने के उद्देश्य से उनके मूल कारणों को संबोधित करके संघर्षों को रोकने का प्रयास करते हैं। इसे 1997 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अपनाया गया था।शांति की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कार्य, शिक्षा के माध्यम से शांति की संस्कृति को बढ़ावा देना; सतत आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देना;सभी मानव अधिकारों के प्रति सम्मान को बढ़ावा देना;महिलाओं और पुरुषों के बीच समानता सुनिश्चित करना;लोकतांत्रिक भागीदारी को बढ़ावा देना;समझ, सहिष्णुता और एकजुटता को बढ़ावा देना;सहभागी संचार और सूचना और ज्ञान के मुक्त प्रवाह का समर्थन करना;अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को अत्यंत जरूरी बढ़ावा देना।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि राजनीति और मित्रता - आदर्श या अवसरवाद?-अच्छे मित्र का साथ हो तो,बढ़ी से बढ़ी चुनौतियों से आसानी से निपटा जा सकता है।अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस 3 अगस्त 2025-अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आपसी मित्रता बढ़ाने की सख़्त ज़रूरत है।मित्रता एक ऐसा भावनात्मक रिश्ता है,जो रक्त संबंधों से परे दिलों की निकटता पर टिका होता है।

(-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र)

संपादकीय

जानलेवा ब्रेक

देश में जब तेजी से हाई-वे बने तो लगा कि अब आम आदमी की यात्रा सुगम व सुरक्षित होगी। तब सफर में लोगों के घंटों बचने लगे। यात्रियों के पेट्रोल व डीजल की खपत कम हुई। विडंबना यह है कि कालांतर वाहनों की गति सीमाएं तोड़ने लगी। बेलगाम गति दुर्घटनाओं का सबब बनी। वे खबरें विचलित करती हैं जब पूरे के पूरे परिवार सड़क दुर्घटनाओं की भेंट चढ़ जाते हैं। निस्संदेह, जब व्यक्ति निर्धारित सीमा से अधिक की गति से वाहन चलाता है तो विषम परिस्थितियों में अचानक ब्रेक लगाना ही पड़ता है। ऐसे में पीछे से नियंत्रित गति में चलने वाले वाहन चालक भी सड़क दुर्घटनाओं की चपेट में आ जाते हैं। अकसर बेकसूर लोग दूसरों की गलती की कीमत चुकाते हैं। ऐसी ही दुर्घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला आया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि हाई-वे पर कोई वाहन चालक अचानक ब्रेक लगाता है तो दुर्घटना की स्थिति में इसे लापरवाही माना जाएगा। अदालत ने माना कि हाई-वे पर वाहनों का तेज गति से चलना स्वाभाविक है, लेकिन यदि कोई चालक अचानक वाहन रोकता है तो उसकी जिम्मेदारी बनती है कि वह ब्रेक मारने से पहले पीछे आने वाले वाहन चालकों को चेतावनी या कोई संकेत दे। उल्लेखनीय है कि यह फैसला वर्ष 2017 में कोयंबटूर में एक इंजीनियरिंग छात्र के साथ हुए हादसे के बाबत आया है, जिसमें उसे अपनी टांग गंवानी पड़ी। दरअसल, उसकी मोटरसाइकिल अचानक रोकी गई एक कार से टकरा गई थी। इस टक्कर में उसके नीचे गिरने पर पीछे से आ रही बस ने उसके पैर को कुचल डाला। कोर्ट ने कार चालक की इस दलील को तार्किक नहीं माना कि उसे पत्नी के अस्वस्थ होने के कारण कार अचानक रोकनी पड़ी। अदालत का मानना था कि उसने भले ही किसी भी परिस्थिति में कार रोकी,लेकिन उसे पीछे से आने वाले वाहन चालकों को संकेत या चेतावनी जरूर देनी चाहिए थी, ताकि इस हादसे को टाला जा सकता। अदालत ने कहा कि यदि इस मामले में आधी गलती कार चालक की है तो बीस-बीस फीसदी गलती अपील करने वाले व बस चालक की भी है। कोर्ट ने अपील करने वाले को अगले वाहन से पर्याप्त दूरी न रखने व लाइसेंस न होने का दोषी माना। फलतः उसके मुआवजे में बीस फीसदी की कटौती की। दरअसल, हाई-वे पर होने वाले तमाम हादसों में वाहनों की निर्धारित सीमा से अधिक गति को मुख्य कारण बताया जा रहा है। 'हाई-वे रोड सेफ्टी रिपोर्ट 2021' के अनुसार दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि राजमार्गों पर होने वाली दुर्घटनाओं में 74 फीसदी हादसे वाहनों की निर्धारित गति सीमा से अधिक पर वाहन चलाने की वजह से होते हैं। जिसके चलते राजमार्गों में सुरक्षा मानकों को ताक पर रख दिया जाता है। निस्संदेह, हमने यूरोपीय स्टाइल के हाई-वे तो बना दिए मगर चालकों को नियम-कानूनों के पालन के लिये जागरूक नहीं कर पाये। यही वजह है कि दुर्भाग्य से देश की सड़कों में हर तीन मिनट में एक बेगुनाह व्यक्ति की मौत हो जाती है। जाहिर है, दोष सड़कों का नहीं बल्कि चालकों के व्यवहार में अराजकता का है। जरूरी है कि वाहन चालकों को नियमों का पालन करने तथा गति सीमा नियंत्रित रखने हेतु प्रेरित किया जाए। तभी दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क दुर्घटनाओं के लिये निरापद बन सकेगा। निस्संदेह, सड़क निर्माण में भी कई बार तकनीकी खामियां पायी जाती हैं। पदयात्रियों व जानवरों के हाई-वे पर आ जाने से वाहन चालकों को ब्रेक लगाने को मजबूर होना पड़ता है।

भारत को नहीं चाहिए अमेरिका से क़ोई समझौता करना

(लेखक- संजय गोस्वामी)

भारतीय वस्तुओं पर 25ब टैरिफ लगाने की धमकी अमेरिका ने भारत को दी । डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ एक व्यापार समझौते की घोषणा की है, इस समझौते का उद्देश्य पाकिस्तान के तेल भंडार का विकास करना है।दरअसल अमेरिका चाहता है भरी संसद में माननीय प्रधान मंत्री का अपमान करना और अमेरिका के राष्ट्रपति के सुर में सुर मिलाना लेकिन उसे मालूम नहीं है कि भारत 140 करोड़ लोगों का एक लोकतान्त्रिक देश है बार बार भारतीय का अपमान करना सही नहीं है भारत ने स्व अटलजी के नेतृत्व में उसके लाख मना करने खुफ़िया सेटेलाइट लगाने के बाद भी भारतीय वैज्ञानिकों ने मई 1998 में परमाणु परीक्षण भी कर लिया अगर उस समय नहीं कर पाता तो बाद में होना बहुत मुश्किल है आप देख रहें हैं ईरान के परमाणु बम को बनाने को लेकर उसने उसके तीन परमाणु सयंत्र को नस्ट कर दिया भारत का उस समय सी टी वी टी समझौता का भारी दबाब था लेकिन उसके बाद अमेरिका के आर्थिक प्रतिबन्ध से भारतीय बाजार में रौनक थी और इसमें अमेरिका को काफी नुकसान हुआ लेकिन ऐ देशहित में लिया गया बिलकुल सही फैसला था अगर नहीं होता तो क़ोई भी बाहरी या परोसी दुश्मन देश लड़ाई के लिए मजबूर करता तो उसकी चाल उसी दिन समझ गया जब अमेरिका में रोजी रोटी कमाने वाले भारतीय प्रवासी को कार्गो प्लेन से हथकारी लगाकर गुरु के पवित्र स्थान अमृतसर में भेजा गया और फिर अमेरिका में भारतीय को नौकरी ना देने के लिए कंपनी को कहा टैलेंट है भारतीय में तभी टिके हैं जो बंकर ब्लस्टर बम की बात ईरान के परमाणु सयंत्र को नस्ट किया था वो भारतीय वैज्ञानि की दि गई टेक्नोलॉजी थी जिसे वहाँ टेक्नोलॉजी दूसरे देश को देने के बहाने कैद किया गया है भारत की एक अलग पहचान है जीएम फ़ूड और मांसाहारी दूध अपने पास रखो भारत एक कृषि प्रधान देश है अतः उनकी रोजी रोटी को लात नहीं मारना है भारत के लोग मेहनती और बहादुर हैं जो अंग्रेजी हुकूमत के दाँत खट्टे कर दिए और आजाद हुआ हमें नहीं करना क़ोई व्यापार भारत माँ भारती के स्वाभिमान के लिए सेना के पराक्रम के निचे हमेशा झुकेगा क्योंकि देश के प्रति बलिदान होते हैं लेकिन अन्य किसी देश की उसकी वीरता को मिट्टी में नहीं मिलने देगा अमेरिका उसी पराक्रम को मिट्टी में मिलाने की साजिश पाकिस्तान की दोस्ती के बहाने कर रहा है भारत एक परमाणु संपन्न देश है अतः भारत अपने किसी भी सीमा में आतंकवादी गतिविधियों को देश पर हमला मानेगा और कभी उसे बर्दास्त नहीं करेगा ऐ प्रधानमंत्री खुद खुले दिल से राष्ट्र के नाम संदेश में कहा है सीजफ़ायर के बीच में जम्मू काश्मीर का मुद्दा भी लाना बिल्कुल बेतुका बयान था अतः प्रधानमंत्री ने ऐ भी साफ संदेश दिया कि बात होगी तो सिर्फ पीओके पर, अब अमेरिका क्या कर सकता है पाकिस्तान के जिस आतंकवादी संघठन को एफटीए के लिस्ट में शामिल किया है उसे झूठमुठ बहाना बनाकर उसे भारत के खिलाफ लड़ने के लिए फाइटर जेट देगा और दुनिया को ऐ कहेगा कि हमने पाकिस्तान को उसके आतंकवादी को मारने के लिए दिया है देखिए इसमें क़ोई ना क़ोई भारत का भेद अमेरिका को दे रहा है ताकि भारत को कमजोर करने दें और नेताओं को घबराहट में ट्रम्प से झुकने के लिए प्रेरित करें अगर ऐसा नहीं था तो विपक्ष के नेता राहुल गाँधी ने ऑपरेशन सिंदूर और टैरिफ पर मजा लिया और जब मालेगॉव बम ब्लास्ट में साध्वी प्रज्ञा और अन्य निर्दोष नागरि को हिन्दू आतंकी बताया था उस पर मौन रहें जबकी किसी नारी का इतने दिनों तक शोषण होता रहा और सेना के अधिकारी को भी इसमें शामिल किया गया जो एक साजिश थी क्योंकि वो उस संघठन से जुड़े थे जिसकी स्थापना वीर सावरकर ने की थी और कांग्रेस का हमेशा से देशभक्त वीर सावरकर के प्रति गलत मानसिकता रही है अभिनव भारत सोसाइटी। अभिनव भारत सोसाइटी (यंग इंडिया सोसाइटी) एक भारतीय स्वतंत्रता गुप्त संस्था थी जिसकी स्थापना विनायक दामोदर सावरकर और उनके भाई गणेश दामोदर सावरकर ने 1904 में की थी।महाराष्ट्र के मालेगांव ब्लास्ट केस में हृ्ब स्पेशल कोर्ट ने साध्वी प्रज्ञा समेत सातों आरोपियों को बरी कर दिया है। इनमें पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीकांत प्रसाद पुरोहित, रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर चतुर्वेदी, समीर कुलकर्णी और सुधाकर धर द्विवेदी शामिल थे। पीड़ितों के वकील शाहिद नवीन अंसारी ने कहा- हम एनआईए कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील करेंगे। इस मामले में जांच एजेंसियां और सरकार फेल हुई है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दबाव बनाने की रणनीति के तहत पाकिस्तान के साथ एक व्यापार समझौते की घोषणा की है, साथ ही भारतीय वस्तुओं पर 25ब टैरिफ लगाने की धमकी देते हुए कहा है कि वाशिंगटन, इस्लामाबाद को उसके विशाल तेल भंडार विकसित करने में मदद करेगा।पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को इस्लामाबाद और वाशिंगटन के बीच हुए ऐतिहासिक व्यापार समझौते के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवा दिया लेकिन खुद को मुस्लिम देश बताने वाला पाकिस्तान अब ईरान को क्या जबाब देगा जिसने ईरान के तीनों परमाणु सयंत्र को नस्ट कर दिया । एक सोशल मीडिया पोस्ट में, अमेरिकी राष्ट्रपति ने आश्चर्य जताया कि क्या पाकिस्तान किसी दिन भारत को तेल बेच सकता है।डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, हमने अभी-अभी पाकिस्तान के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत पाकिस्तान और अमेरिका अपने विशाल तेल भंडारों के विकास के लिए मिलकर काम करेंगे।पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को इस्लामाबाद और वाशिंगटन के बीच हुए ऐतिहासिक व्यापार समझौते के लिए डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवा दिया और उम्मीद जताई कि इससे दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ेगा।भारत कौन सा देश है मालूम नहीं है तो पूर्व प्रधानमंत्री स्व अटलजी की कविता सुन लें एक नहीं दो नहीं करो बीसों समझौते,पर स्वतन्त्र भारत का मस्तक नहीं झुकेगा,तुम्हे मुफ़्त में मिली न कीमत गयी चुकाई,अंग्रेजों के बल पर दो टुकड़े पाये हैं,माँ को खंडित करते तुमको लाज ना आई?अमरीकी शस्त्रों से अपनी आजादी को,दुनिया में कायम रख लोगे, यह मत समझो,दस बीस अरब डालर लेकर आने वाली बरबादी से बच लोगे ऐ मत समझो, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा, यह ऐतिहासिक समझौता हमारे बढ़ते सहयोग को बढ़ाएगा ताकि आने वाले दिनों में हमारी स्थायी साझेदारी की सीमाओं का विस्तार हो सके।।

सुख की उपेक्षा क्यों?

मेरे पास लोग आते हैं। जब वे अपने दुख की कथा रोने लगते हैं, तो बड़े प्रसन्न मालूम होते हैं। उनकी आंखों में चमक मालूम होती है। जैसे कोई बड़ा गीत गा रहे हों! अपने घाव खोलते हैं, लेकिन लगता है जैसे कमल के फूल ले आए हैं। सुख की तो कोई बात ही नहीं करता। और ऐसा नहीं है कि सुख नहीं है; हम सुख पर पर ध्यान नहीं देते हैं। हम दुऱ्ख-दुख चुन लेते हैं; हम सुख की उपेक्षा कर देते हैं। फिर जिसकी उपेक्षा कर देते हैं, स्वभावतः धीरे-धीरे वह दूर चला जाता है और जिसमें हम रस लेते हैं वह पास होता चला जाता है। संतों की बात तुम्हें तभी जमेगी, रुचेगी, भली लगेगी, प्रीतिकर मालूम होगी-जब तुम दुख को पकड़ना छोड़ दोगे; जब तुम जागोगे और सुख की सचेष्ट खोज शुरू करोगे। तुम्हारे भीतर अगर अभी भी दुख को पकड़ने का आयोजन चल रहा है, तो संतों के वचन तुम्हारे कानों में गूजेंगे और खो जाएंगे। तुम्हारे हृदय तक नहीं पहुंचेंगे। क्योंकि संतों के वचनों में बड़ा सुख भरा है। तुम सुखोन्मुख हो जाओ, तुम आनंद की खोज में लग जाओ; तो ये एक-एक शब्द ऐसे जाएंगे तुम्हारे भीतर जैसे तीर चले जाएं। और ये एक-एक शब्द तुम्हारे भीतर ऐसे-ऐसे हजार-हजार फूल खिला देंगे, जैसे कभी न खिले थे। तुम्हारे भीतर बड़ी रोशनी होगी।

ये छोटे-छोटे शब्द हैं। मगर ये बड़े सार्थक शब्द हैं। सुनो- 'बोलू हरिनाम तू छोड़ि दे काम सब, सहज में मुक्ति होई जाय तेरी।काम यानी कामना। काम यानी वासना। काम यानी इच्छा, तृष्णा। यह मिले वह मिले-कुछ मिले! जब तक हम मिलने की दौड़ में होते हैं, हम भिखमंगे होते हैं। और जब तक हम भिखमंगे होते हैं, तब तक परमात्मा नहीं मिलता। परमात्मा भिखमंगों को मिलता ही नहीं। परमात्मा सम्राटों को मिलता है। परमात्मा उनको मिलता है जो अपने मालिक है। परमात्मा उनको मिलता है जो कुछ मांगते ही नहीं। असल में वे ही परमात्मा को मांगने में कुछ सफल हो पाते हैं, जो और कुछ नहीं मांगते। जिन्होंने कुछ और मांगा, वे परमात्मा को कैसे मांगेंगे। वह जबान फिर परमात्मा को मांगने के योग्य न रह गई। वह जबान अपवित्र हो गई। जिस जबान से बेटा मांगा, बेटी मांगी, धन मांगा, पद मांगा, प्रतिष्ठा मांगी-उसी जबान से परमात्मा को मांगोगे? इस जहर भरे पात्र में अमृत रखोगे? यह जबान जब तक मांगती है तब तक संसार है। जिस दिन यह जबान मांगती नहीं, उस दिन परमात्मा की यात्रा शुरू हुई। उस दिन बिन मांगे मिलता है। ऐसे तो मांगे-मांगे भी नहीं मिलता।

विचार मंथन

अनिल अंबानी की धोखाधड़ी और घोटाले पर सरकार की चुप्पी?

(लेखक- सनत जैन /)

- हर्षद मेहता के बाद शेयर बाजार का सबसे बड़ा घोटाला

अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों पर एक बार फिर गंभीर वित्तीय गड़बड़ी एवं धोखाधड़ी के आरोप हैं। सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया से जुड़ी 17,000 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी घोटाले में उनके खिलाफ जांच चल रही है।आरोप है उन्होंने स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया की नकली ईमेल आईडी और फर्जी दस्तावेजों के जरिए सरकारी अनुबंध के लिए बैंक गारंटी जमा थी। इस मामले में उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी हो चुका है। जिससे स्पष्ट है, सरकार उन्हें देश छोड़ने का अवसर नहीं देना चाहती है। यह कोई पहला मामला अनिल अंबानी के खिलाफ नहीं है। इससे पहले भी अनिल अंबानी पर विदेशी निवेश के जरिए अपने ही शेयरों को खरीदकर बाजार में हेरफेरी करने के आरोप लग चुके हैं। जिसमें सेबी ने 50 करोड़ का जुर्माना लगाकर मामला 卐निपटा卐 कर अनिल अंबानी की कंपनियों को बरी कर दिया था। इस पर केंद्र सरकार की भूमिका पर भी सवाल उठते हैं। कंपनी नियमों का उल्लंघन और शेयर बाजार के घोटालेबाजों को कानून बदलकर सरकार द्वारा अनिल अंबानी और अडानी को बचाया गया है। राफेल डील में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स जैसी अनुभवी सरकारी कंपनी को दरकिनार कर अनिल अंबानी की अनुभवहीन कंपनी को सरकार के हस्तक्षेप से ठेका मिला। जो सरकार की बड़े-बड़े उद्योगपतियों और कारोबारियों के साथ मिलीभगत को उजागर करता है। अनिल अंबानी की कंपनी ने जिस तरह की धोखाधड़ी की है। उससे स्पष्ट है, भारत में 卐क्रोनी कैपिटलिज़्म卐 किस हद तक बढ़ चुका है, जहां चुनिंदा उद्योगपतियों को बचाने के लिए सरकारों की नीति, कानून, संस्थाएं और जांच एजेंसियों को झुकना पड़ता है। सरकार और संस्थाओं को बड़े-बड़े उद्योगपति और कारोबारी ही उपकृत कर पाते हैं। जिसके कारण सरकार उनके सामने समय-समय पर झुकती रहती है। आम जनता बैंक लोन नहीं चुका पाए, तो घर छिन जाता है। बड़े पूंजीपति हजारों करोड़ लेकर फरार हो जाते हैं, या बेल पर घूमते हैं, उनको बचाने के लिए सरकार द्वारा नए-नए नियम और कानून बना दिए जाते हैं। इस मामले में सरकार की निष्क्रियता और पक्षपात ना केवल न्याय व्यवस्था में विश्वास को कमजोर करती हैं। बल्कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया पर भी सवाल खड़े करता है। भारत के मीडिया में अब उद्योगपतियों का ही कब्जा है ऐसी स्थिति में उनसे कोई आशा भी नहीं की जा सकती है। मेन स्ट्रीम का मीडिया इन मामलों पर मौन साध लेता है। आज जरूरत इस बात की है, ऐसे मामलों में निष्पक्ष और कठोर कार्रवाई हो। भारत में जो दोहरे कानून और नियम सरकारों द्वारा तैयार किए जा रहे हैं। उससे आम लोगों का भरोसा अब न्याय व्यवस्था से भी उठने लगा है सरकारों द्वारा बनाए जा रहे नियम कानून को लेकर भी आम जनता के मन में गुस्सा दिखने लगा है। सरकार को सभी के लिए एक से नियम कानून बनाने चाहिए। जिससे लोगों का कानून और नियमों पर विश्वास बना रहे। देश की वित्तीय प्रणाली पर जनता का भरोसा बना रहे। अनिल अंबानी जैसे प्रभावशाली लोग कानून से ऊपर नहीं हैं। भारत के बैंकों और शेयर बाजार में आम निवेशकों का पैसा लगा होता है। जो निम्न और मध्यम वर्ग के होते हैं। वही बार-बार लूटते हैं, यह स्थिति ठीक नहीं है। हर्षद मेहता से बड़ा घोटाला अनिल अंबानी और अन्य उद्योगपतियों द्वारा बड़े पैमाने पर शेयर बाजार में किया जा रहा है। इस मामले में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट भी आई हैं, जो समय-समय पर दबा दी गई हैं। सरकारों की मिलीभगत होने से यह बड़े-बड़े मगरमच्छ खुले आम जनता को लूट रहे हैं। सरकार उनके लिए अलग से नियम कानून बनाकर बचाने एवं संरक्षित करने का प्रयास करती है। जैसा कि अनिल अंबानी के मामले में हुआ है। हजारों करोड रुपए का घोटाला रूपा-दफा करने के लिए पिछली तारीखों से नियम बदल दिए गए गड़बड़ी पर सेबी ने 50 करोड़ का जुर्माना कर मामले को रफा-दफा कर दिया। उसके बाद अनिल अंबानी ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए नियम ही पिछली तारीखों से बदलवा दिए। अब उन्ही नियमों के तहत बचने का प्रयास कर रहे हैं। ईडी द्वारा जो कार्रवाई की जा रही है। उसमें भ्रष्टाचार और घोटाले से जुड़े हुए सभी मामलों को उजागर करे। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो आम जनता का विश्वास उठते देर नहीं लगेगी। 卐नए भारत卐 की जो परिकल्पना और सपना दिखाया गया है। वह तभी सार्थक होगा। जब क्रोनी पूंजीवाद जो पिछले 11 वर्षों में भारत में बढ़ा है, उसे रोका जाए। पूंजीपति देश की आम जनता को गन्ने की तरह चूस रहें हैं। सरकारें उनकी रखवाली कर रही हैं। सरकार की प्राथमिकता में अब आम जनता नहीं है। जो नियम कानून उद्योगपति बनवाना चाहते हैं, वह सरकारें बनाने का काम कर रही हैं। जिसके कारण अब आम जनता के बीच इसका गुस्सा दिखने लगा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ड्यूटी फ्री आयात से दालों के दामों में गिरावट

किसान और कारोबारी हैरान और परेशान

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने दालों की कीमतों पर नियंत्रण करने के लिए शुल्क मुक्त आयात की अनुमति दे दी है।जिसके कारण देश में दाल के भाव में गिरावट देखी जा रही है। कनाडा, अफ्रीकी देशों और रूस से बड़ी-बड़ी मात्रा में दाल आयात की जा रही है। जिसके कारण भारत में समर्थन मूल्य से कम मूल्य पर दलहन बिकने लगा है। किसानों पर इसका बड़ा प्रभाव पड़ा है। किसानों ने दलहन की बोनी को कम कर दिया है। भारत के किसानों को दलहन का सही मूल्य नहीं मिल पा रहा है। जिसके कारण किसानों की रुचि दलहन में घटती चली जा रही है। किसान संगठनों द्वारा सरकार से लगातार मांग की जा रही है। विदेश से दलहन का आयात घटाया जाए, लेकिन सरकार ने किसान संगठनों की बात नहीं मानी। जिसके कारण भारत में दलहन के दामो में हर साल बड़ी अस्थिरता देखने को मिलती है। भारतीय बाजारों में चने की कीमत ₹8000 से घटकर 6200 पर आ गई है।तुवर की कीमत ₹11000 से घटकर 6700 पर आ गई है। पीली मटर के दाम 4100 से घटकर 3250 रुपए प्रति क्विंटल पर आ गए हैं। लगातार दलहन के दामो में गिरावट देखने को मिल रही है। किसान संगठनों के अनुसार इस बार किसान तुवर की बुवाई में कोई रुचि नहीं ले रहे हैं। जिसके कारण 8 फ़ीसदी रकवा तुवर का घट गया है। पिछले वर्ष 37.99 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में तुवर की बुवाई हुई थी। जो इस साल घटकर 34.90 हेक्टेयर रह गई है। सामान्य तौर पर 45 लाख हेक्टेयर जमीन पर तुवर बोई जाती है। यह रकवा लगातार घटता चला जा रहा है।

इलेक्ट्रॉनिक और फ़ार्मा पर टैरिफ का कोई असर नहीं?

नई दिल्ली । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगातार भारत पर टैरिफ लगाने की धमकी दी जा रही है। इसका असर फार्मा और इलेक्ट्रॉनिक पर नहीं पड़ेगा। इसलिए भारत को घबराने की कोई जरूरत नहीं है। अमेरिका का ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) कानून के अनुसार अमेरिका इन दो क्षेत्र के प्रोडक्ट पर अलग से कोई टेरिफ नहीं लगा सकता है। भारत से अमेरिका में जिन उत्पादन का निर्यात होता है। उसका लगभग 50 फ़ीसदी इलेक्ट्रॉनिक और फ़ार्मा का निर्यात है। ऐसी स्थिति में भारत को ट्रंप की धमकियों से डरने की जरूरत नहीं है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कृषि और डेयरी क्षेत्र के उत्पाद को भारत के बाजार में भेजना चाहते हैं।जिसके लिए वह दबाव बना रहे हैं। भारत सरकार के लिए यह संभव नहीं है, वह कृषि और डेयरी उत्पाद को अमेरिका से भारत में लाने का समझौता करे। यही एक कारण है, डोनाल्ड ट्रंप भारत के ऊपर मानसिक दबाव बनाकर डील करना चाहते हैं। अमेरिका ने अभी जो 25 फ़ीसदी टैरिफ लगाया है। इसका असर टेक्सटाइल, जेम्स एंड ज्वेलरी, लेदर फुटवियर, झींगा, एनिमल प्रोडक्ट तथा केमिकल सैक्टर में जरूर इसका असर होगा। यदि यही टैरिफ लग रहा, तो भारत का 50 फ़ीसदी निर्यात व्यापार प्रभावित होगा। जिस तरह की ट्रेड डोनाल्ड ट्रंप भारत के साथ करना चाहते हैं।भारत सरकार डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में यदि वह डील करेगी, तो भारत को भारी नुकसान होना तय है।

होंडा की घरेलू बिक्री में 19.43प्रतिशत की गिरावट दर्ज

नई दिल्ली । जून 2025 बिक्री के लिहाज से होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) के लिए मिश्रित संकेत लेकर आया। एचएमएसआई की घरेलू बिक्री में 19.43प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जो जून 2024 में 4.82 लाख यूनिट्स से घटकर जून 2025 में 3.88 लाख यूनिट्स रह गई। हालांकि एक्टिवा और शाइन जैसी बेस्टसेलिंग टू-व्हीलर्स ने कंपनी की स्थिति को कुछ हद तक संभाला। अकेले एक्टिवा की 1.83 लाख यूनिट्स बिकीं, जो कुल बिक्री का लगभग 47प्रतिशत हिस्सा है। भले ही इसमें पिछले साल के मुकाबले 21.47प्रतिशत गिरावट रही, लेकिन यह अभी भी सबसे ज्यादा बिकने वाला स्कूटर है। वहीं, शाइन 125 और एसपी125 की कुल 1.34 लाख यूनिट्स बिकीं, जो बिक्री में हल्की गिरावट के बावजूद 35प्रतिशत से ज्यादा योगदान देती हैं। सीबी 350 जैसी प्रीमियम बाइक ने भी शानदार प्रदर्शन किया। जून में इसकी 2,361 यूनिट्स बिकीं, जो सालाना आधार पर 103प्रतिशत की वृद्धि है। यह दर्शाता है कि प्रीमियम सेगमेंट में ग्राहक रूचि दिखा रहे हैं। कंपनी की अप्रैल-जून तिमाही में 12.28 लाख यूनिट्स बिकीं, जबकि पिछले साल इसी समय 14.14 लाख यूनिट्स की बिक्री हुई थी।

भारत-अमेरिका वैश्विक रणनीतिक, बदलाव-चुनौतियों के बावजूद मजबूत है साझेदारी

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने दोनों देशों के रिश्तों को किया साझा

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच एक व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है, जो साझा हितों, लोकतांत्रिक मूल्यों और मजबूत जनसंपर्क आधारित रिश्तों पर आधारित है। यह साझेदारी समय-समय पर हुए बदलावों और चुनौतियों के बाद भी मजबूत बनी है, यह बात विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में कही। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच साझा हितों, लोकतांत्रिक मूल्यों और मजबूत जनसंपर्क पर आधारित एक व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है। यह साझेदारी कई बदलावों और चुनौतियों से गुजर चुकी है। हमें विश्वास है कि यह संबंध आगे भी प्रगति करेंगे। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका ने भारत पर नए टैरिफ लगाने की घोषणा की है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि भारत से आने वाले सामानों पर 25 फीसदी का 'पारस्परिक शुल्क' लिया जाएगा और रूस से ऊर्जा खरीद को लेकर एक अलग दंडात्मक शुल्क भी लगाया जाएगा, जो 1 अगस्त से प्रभावी होगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, भारत 1 अगस्त से 25 फीसदी शुल्क देगा। साथ ही उन्होंने यह कहा कि भारत को रूस से ऊर्जा खरीदने पर अतिरिक्त दंड भी भुगतना होगा। ट्रंप ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध में जब तक रूस युद्धविराम नहीं करता, तब तक जो देश रूस से ऊर्जा खरीदते रहेंगे, उन पर अमेरिका की ओर से 100 फीसदी तक का टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रंप के इस कदम को विशेषज्ञों ने एक रणनीतिक दबाव के रूप में देखा है ताकि भारत को किसी समझौते के लिए प्रेरित किया जा सके, खासकर तब जब अमेरिका के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक जैसे अधिकारी यह संकेत दे चुके हैं कि भारत जल्द ही कोई व्यापारिक समझौता कर सकता है।

कुल 6 नई कारों के मॉडल भारतीय सड़कों पर देंगे दस्तक

नई दिल्ली। चालू महीने में भारतीय सड़कों पर वोल्वो, मर्सिडीज, महिंद्रा और वियतनाम की कंपनी विनफास्ट समेत कुल 6 नए मॉडल दस्तक देंगे। वोल्वो एक्ससी 60 फेसलिफ्ट की लॉन्चिंग जल्द होगी। इसमें 11.2-इंच का बड़ा टचस्क्रीन, क्वालकॉम स्नैपड्रैगन चिपसेट, नया ग्रिल और 250एचपी का टर्बो-पेट्रोल इंजन मिलेगा। 12 अगस्त को मर्सिडीज अपनी एएमजी सीएलई 53 कूपे लॉन्च करेगी, जो बेहद स्पोर्टी लुक और 20-इंच व्हील्स के साथ आएगी। इसमें 11.9-इंच टचस्क्रीन और 12.3-इंच डिजिटल क्लस्टर समेत लग्जरी फीचर्स होंगे। 15 अगस्त को महिंद्रा दो नए मॉडल पेश करेगी। पहला है एक सब-4 मीटर कॉम्पैक्ट एसयूवी, जो 'एनयू' प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी और 1.2एल या 1.5एल डीजल इंजन के साथ आ सकती है। दूसरा है 'विजन कॉन्सेप्ट' लाइनअप, जिसमें एसएक्सटी, एक्स, टी और एस नाम के चार प्रोटोटाइप शामिल हैं। अगस्त के अंत में वियतनामी कंपनी विनफास्ट अपनी वीएफ 7 और वीएफ 6 इलेक्ट्रिक एसयूवीएस के साथ भारत में एंट्री करेगी। इन दोनों में अडास, वेंटिलेटेड सीट्स, बड़ा टचस्क्रीन और प्रीमियम इंटीरियर्स मिलेंगे।

आरबीआई ने दिया मौका- अभी भी बदले जा सकते है दो हजार के पुराने नोट

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक समय-समय पर नोटों से जुड़े हुए बदलाव करता रहता है। आरबीआई ने 19 मई 2023 को 2000 रुपये के नोट को वापस लेने की घोषणा की थी। उस समय इन नोटों की कुल कीमत 3.56 लाख करोड़ रुपये थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सिर्फ 6,017 करोड़ रुपये के नोट ही बचे हैं। यानी 98.31 प्रतिशत नोट बैंकिंग सिस्टम में वापस आ चुके हैं। फिर भी, कई लोगों के पास ये नोट घर में रखे हो सकते हैं। आरबीआई ने 9 अक्टूबर 2023 से बैंकों में इन नोटों को बदलने की सुविधा बंद कर दी है। अब आप सिर्फ आरबीआई के 19 इश्यू ऑफिस में ही इन्हें जमा या बदल सकते हैं। ये ऑफिस अहमदाबाद, बेंगलुरु, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम में हैं। इन जगहों पर आप अपने नोट जमा कर सकते हैं या अपने बैंक खाते में राशि ट्रांसफर करवा सकते हैं। इसके अलावा आप अपने नजदीकी डाकघर से इन नोटों को किसी भी ऑफिस में भेज सकते हैं। इसके लिए आपको एक आवेदन पत्र भरना होगा, जिसमें आपकी बैंक डिटेल्स और नोटों की जानकारी देनी होगी। इसके साथ पहचान पत्र की कॉपी भी भेजनी होगी। आरबीआई को नोट मिलने के बाद आपके खाते में पैसे जमा हो जाएंगे। यह सुविधा खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो छोटे शहरों या गांवों में रहते हैं। तो, अगर आपके पास 2000 रुपये के नोट पड़े हैं, तो जल्दी से इन्हें जमा कर लें। देर करने से बचें, क्योंकि आरबीआई ने साफ कर दिया है कि ये नोट वैध तो हैं, लेकिन इनका चलन अब लगभग खत्म हो चुका है। अपने पैसे को सुरक्षित रखने के लिए आप ये काम कर सकते हैं।

बाजार में भारी गिरावट रही लेकिन आईटीसी के शेयरों में आई तेजी

कंपनी का अप्रैल से जून 2025 में नेट प्रॉफिट 4912 करोड़ रुपए रहा

नई दिल्ली।

शुक्रवार को बाजार के बंद होने के बाद आईटीसी ने तिमाही नतीजों का ऐलान कर दिया। कंपनी की तरफ से दी जानकारी के मुताबिक अप्रैल से जून 2025 में नेट प्रॉफिट 4912 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले इस तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 4874 करोड़ रुपए था। कंपनी का रेवन्यू 20,911 करोड़ रुपए है। सालाना आधार पर आईटीसी का रेवन्यू 15 फीसदी बढ़ा है। बता दें एक साल पहले इस अवधि में आईटीसी का रेवन्यू 18,266 करोड़ रुपए था।

भले ही शुक्रवार को शेयर बाजार में भारी गिरावट थी, लेकिन आईटीसी के शेयरों में तेजी थी। शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर आईटीसी लिमिटेड के शेयर 1 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 416.50 रुपए पर बंद हुए थे। आईटीसी लिमिटेड का ईबीआईटीडीए सालाना आधार पर 3 फीसदी की तेजी के साथ 6261 करोड़ रहा था। वहीं, प्रॉफिट (टैक्स भुगतान) 6545 करोड़ रुपए रहा। सालाना आधार पर प्रॉफिट 1.9 फीसदी बढ़ा। एफएमसीजी सेगमेंट का योगदान 5543 करोड़ रुपए रहा।

वहीं, सिगरेट डिविजन में 3.7 फीसदी के इजाफे के साथ 5145 करोड़ रुपए रहा। वहीं, नॉन सिगरेट एफएमसीजी बिजनेस 16.5 फीसदी की गिरावट के बाद 397 करोड़ रुपए था। बीते 6 महीने में यह स्टॉक 9.94 फीसदी गिरा। वहीं, एक साल में आईटीसी लिमिटेड के शेयरों का भाव 10 फीसदी से ज्यादा टूट चुका है। कंपनी का 52 वीक हाई 500.01 रुपए और 52 वीक लो लेवल 391.50 रुपए है। बता दें कंपनी का शेयर 2 साल में 5 फीसदी से ज्यादा टूटा।

एमसीए को जांच में मिली कई गड़बड़ी, इंडसइंड बैंक की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

बैंक खराब कर्ज की पहचान करने और अनियमितताओं जैसी समस्याओं से जूझ रहा है

नई दिल्ली।

प्राइवेट सेक्टर के इंडसइंड बैंक की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) को जांच में कई गड़बड़ी मिली है। एमसीए अब इस मामले की जांच महानिदेशालय को सौंपने पर विचार कर रहा है। इसके अलावा गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) को भी मामला सौंपा जा सकता है। अगर ऐसा हुआ तो इंडसइंड बैंक के लिए बड़ी मुश्किल खड़ी हो जाएगी। हालांकि, बैंक को इस संबंध में एमसीए से कोई सूचना नहीं मिली है।

बता दें इंडसइंड बैंक पहले से ही आरबीआई, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के अलावा भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान सहित कई प्राधिकरणों की जांच के दायरे में है। इंडसइंड बैंक का जून 2025 को खत्म तिमाही का मुनाफा 72 फीसदी से घटकर 604 करोड़ रुपए पर आ गया। बैंक ने एक साल पहले इस अवधि में 2,171 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था।

इंडसइंड बैंक को मार्च 2025 तिमाही में 2,329 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में बैंक की कुल आय घटकर 14,420.80 करोड़ रह गई, जबकि इससे एक साल पहले इसी तिमाही में यह 14,988.38 करोड़ थी। समीक्षा अवधि में मुख्य शुद्ध ब्याज आय भी 5,408 करोड़ रुपए से घटकर 4,640 करोड़ रह गई। हालांकि शुल्क और अन्य आय में अपेक्षाकृत सीमित गिरावट हुई और यह आंकड़ा सालाना आधार पर 2,442 करोड़ से घटकर 2,157 करोड़ रुपए रहा। इंडसइंड बैंक का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति अनुपात जून, 2025 में बढ़कर 3.64 फीसदी हो गया, जो मार्च, 2025 में 3.13 फीसदी था, लेकिन तिमाही आधार पर प्रावधान 2,522 करोड़ रुपए से घटकर 1,760 करोड़ रुपए रह गया। बता दें इंडसइंड बैंक खराब कर्ज की पहचान करने और वायदा-विकल्प खंड में कथित अनियमितताओं से जूझ रहा है।

बीएसएनएल ने रेलटेल को दिया 166.38 करोड़ का काम, 2028 तक करना होगा पूरा

नई दिल्ली। रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया को बड़ा प्रोजेक्ट मिला है। कंपनी को बीएसएनएल ने 166.38 करोड़ रुपए का काम दिया है। यह कॉन्ट्रैक्ट सर्विस आधारित है। इस प्रोजेक्ट रेलटेल को 31 जुलाई 2028 तक पूरा करना होना। रेलटेल ने पहली तिमाही नतीजों का ऐलान कर दिया है। अप्रैल से जून 2025 में रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया का नेट प्रॉफिट 66 करोड़ था। सालाना आधार पर कंपनी का नेट प्रॉफिट 36 फीसदी बढ़ा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 48.60 करोड़ था। बता दें रेवन्यू पहली तिमाही में 743.80 करोड़ रुपए रहा। सालाना आधार पर 33.20 फीसदी रेवन्यू बढ़ा है। ईबीआईटीडीए का कंपनी का 28 फीसदी बढ़ा है। जून क्वार्टर में यह 133 करोड़ था। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 104 करोड़ रुपए रहा है। शुक्रवार को रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के शेयर 3.68 फीसदी की गिरावट के बाद 353.70 रुपए पर बंद हुआ था। बीते तीन महीने में इस स्टॉक की कीमतों में 19 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। इसके बाद भी एक साल में यह स्टॉक 28 फीसदी टूटा है। इसके बाद भी 2 साल में कंपनी के शेयरों में 100 फीसदी की उछाल आई। रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के शेयर इस महीने एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगे। कंपनी की तरफ से एक शेयर पर 85 पैसे का डिविडेंड देने का फैसला लिया गया है।

बीएसएनएल ने घटाई एक और सस्ते प्लान की वैलिडिटी, लोग उठा रहे सवाल

-4जी या 5जी आने तक बीएसएनएल कितना किफायती रह जाएगा?

नई दिल्ली।

बीएसएनएल ने एक बार फिर अपने सस्ते प्लान की वैलिडिटी को घटा दिया है। अभी पिछले दिनों ही बीएसएनएल ने अपने 99 रुपए वाले सबसे सस्ते प्लान की वैलिडिटी घटा दी थी। इसके बाद अपने दूसरे सबसे सस्ते प्लान की वैलिडिटी को भी बीएसएनएल ने घटा दिया। ऐसे में उन लोगों को चिंता सताने लगी है जिन्होंने बीएसएनएल को एक सस्ता ऑप्शन मान कर अपने नंबर पोर्ट करवाए थे। वहीं लोगों का कहना है कि बीएसएनएल आने वाले 5जी की तैयारी इस तरह से कर रहा है कि उसके मौजूदा प्लान महंगे हो जाएं?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 99 रुपए वाले प्लान की वैलिडिटी घटाने के बाद बीएसएनएल ने अब अपने 147 रुपए वाले प्लान की वैलिडिटी को भी घटा दिया है। अब इस 147 रुपए वाले प्लान में 10जीबी हाई स्पीड इंटरनेट डेटा और अनलिमिटेड वॉइस कॉलिंग के फायदे मिलेंगे। इस प्लान में एसएमएस नहीं मिलेंगे। अब ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर इस प्लान में बदला क्या है? दरअसल पहले यह प्लान 30 दिन की वैलिडिटी के मिलता था। वहीं अब यह प्लान 25 दिन की वैलिडिटी के साथ मिलेगा। बता दें इसका असर उन लोगों पर पड़ेगा जो लो इनकम ग्रुप में आते हैं। जाहिर है सस्ते रिचार्ज प्लान का टार्गेट यूजर वही लोग होते हैं जो एक महीने के 350 से 600 रुपए तक का प्लान रिचार्ज नहीं करवा सकते। इन सस्ते प्लान की वैलिडिटी 5 दिन घटाने की वजह से अब इन लोगों को महीने में इस प्लान को दो बार चार्ज करवाना पड़ेगा, ताकि सिम पूरे महीने एक्टिव रहे। इससे आम आदमी की जेब पर बोझ बढ़ेगा। इसके अलावा इस प्लान की कीमत न बदल कर सिर्फ चुपचाप वैलिडिटी घटाने से यूजर को पता ही नहीं चलेगा कि उसके फायदे घट चुके हैं। एक सा दाम दिखने के चलते कई यूजर्स बिना इसके फायदे चेक किए सीधा रिचार्ज करवा लेंगे।

पहले 99 रुपए के प्लान की वैलिडिटी 18 दिन से घटाकर 15 दिन करने के बाद और अब 147 वाले प्लान की वैलिडिटी 30 दिन से घटा कर 25 दिन करने के बाद लोगों सवाल कर रहे हैं कि आखिरकार 4जी या 5जी आने तक बीएसएनएल कितना किफायती रह जाएगा?

जीएसटी संग्रह जुलाई में बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपए हुआ

यह वृद्धि घरेलू लेन-देन और आयात से मिले राजस्व के कारण हुई

मुंबई।

भारत का वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह जुलाई में बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 7.5 फीसदी ज्यादा है। यह आंकड़े शुक्रवार को सरकारी ने जारी किए थे। यह वृद्धि घरेलू लेनदेन और आयात दोनों से प्राप्त राजस्व में वृद्धि के कारण हुई, जो स्थिर आर्थिक गतिविधि को दर्शाता है, हालांकि विकास की गति हाल के महीनों की तुलना में धीमी रही।

इस साल अप्रैल और जुलाई के बीच ग्रॉस जीएसटी राजस्व 8.18 लाख करोड़ रुपए रहा, जो 2024 की इस अवधि के 7.39 लाख करोड़ रुपए से 10.7 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। जुलाई में कुल ग्रॉस जीएसटी संग्रह में केंद्रीय जीएसटी से 35,470 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी से 44,059 करोड़ रुपए, इंटीग्रेटेड जीएसटी से 1,03,536 करोड़ रुपए और सेस से 12,670 करोड़ रुपए शामिल थे।

जुलाई में लगातार सातवां महीना रहा, जिसमें संग्रह 1.8 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रहा, लेकिन यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के 2.1 लाख करोड़ रुपए के औसत से कम था। अप्रैल में जीएसटी प्राप्तियां रिकॉर्ड 2.37 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई थी, जो मई में घटकर 2.01 लाख करोड़ रुपए रह गई। रिफंड के एडजस्टमेंट के बाद जुलाई में नेट जीएसटी राजस्व 1,68,588 करोड़ रुपए रहा, जो एक साल पहले के 1,65,800 करोड़ रुपए से केवल 1.7 फीसदी ज्यादा है। यह मामूली वृद्धि रिफंड में 66.8 फीसदी की वृद्धि के कारण हुई, जो जुलाई 2024 में 16,275 करोड़ रुपए की तुलना में इस महीने 27,147 करोड़ रुपए तक पहुंच गई। अप्रैल-जुलाई की अवधि में नेट जीएसटी राजस्व पिछले साल के 6.56 लाख करोड़ रुपए से 8.4 फीसदी बढ़कर 7.11 लाख करोड़ हो गया है। राज्यों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। छोटे पूर्वोत्तर राज्यों ने मजबूत वृद्धि दर्ज की, जिसमें त्रिपुरा 41 फीसदी की वृद्धि के साथ सबसे आगे रहा, उसके बाद 26 फीसदी के साथ मेघालय, 23 फीसदी के साथ सिक्किम और 22 फीसदी के साथ नागालैंड रहा। बड़े राज्यों में मध्य प्रदेश में 18 फीसदी, बिहार में 16 फीसदी, आंध्र प्रदेश में 14 फीसदी और पंजाब एवं हरियाणा में 12-12 फीसदी की वृद्धि रही।

नए अमेरिकी टैरिफ से भारत का जीडीपी का 0.3 से 0.4 फीसदी तक हो सकता है नुकसान!

नई दिल्ली।

नए अमेरिकी टैरिफ से भारत का निर्यात नुकसान जीडीपी का 0.3 फीसदी से लेकर 0.4 फीसदी के बीच रह सकता है। इसकी वजह है भारत की अर्थव्यवस्था का घरेलू बाजार पर केंद्रित होना और अमेरिका को गुड्स निर्यात में देश की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत कम होना है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि न केवल भारत की निर्यात पर निर्भरता कम है, बल्कि अमेरिका को होने वाला गुड्स निर्यात देश की जीडीपी के करीब 2 फीसदी के बराबर है, जो अतिरिक्त मजबूती प्रदान करता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का सर्विसेज निर्यात इन टैरिफ के दायरे से बाहर रहेगा और इससे एक्सटर्नल सेक्टर को समर्थन मिलता रहेगा।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि वित्त वर्ष 2026 में चालू खाता घाटा (सीएडी) सकल घरेलू उत्पाद के 0.9 फीसदी पर बना रहेगा।

रूस से भारत के तेल आयात में किसी भी तरह के विविधीकरण का भारत के सीएडी पर न्यूनतम प्रभाव पड़ने की उम्मीद है, क्योंकि रूसी यूराल और बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड के बीच मूल्य अंतर 2023 के औसत 20 डॉलर प्रति बैरल से घटकर करीब 3 डॉलर प्रति बैरल हो गया है।

वित्त वर्ष 2025 में अमेरिका को भारत का व्यापारिक निर्यात 87 अरब डॉलर था। निर्यात में इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का हिस्सा सबसे ज्यादा 17.6 फीसदी रहा। इसके बाद 11.8 फीसदी के साथ फार्मा उत्पाद और 11.5 फीसदी के साथ रत्न एवं आभूषण का स्थान रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के कुल इलेक्ट्रॉनिक निर्यात में अमेरिका का हिस्सा 37 फीसदी है। इस क्षेत्र की चुनिंदा वस्तुओं को 25 फीसदी अमेरिकी शुल्क से अस्थायी रूप से छूट दी गई है। इसके अलावा अमेरिका को भारत के फार्मा निर्यात को भी टैरिफ से बाहर रखा गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक वियतनाम, इंडोनेशिया और दक्षिण कोरिया जैसे कई एशियाई देशों की तुलना में अमेरिका को अपने निर्यात के लिए भारत का सापेक्ष टैरिफ लाभ, 25 फीसदी अमेरिकी टैरिफ के बाद प्रभावी रूप से उलट गया है, साथ ही रूस के साथ भारत के व्यापारिक संबंधों से जुड़े अलग से पैनल्टी लगने की संभावना भी है। हालांकि, भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता जारी रहने की उम्मीद है और इससे कुछ राहत मिल सकती है।

महिंद्रा कंपनी ने अपने हजारों कर्मचारियों के लिए शुरु किया ईएसओपी प्लान

कंपनी के शेयर के मालिक बनेंगे कर्मचारी, मिलेंगे 450 करोड़ के शेयर

नई दिल्ली।

महिंद्रा ग्रुप ने अपने कर्मचारियों के लिए एक खास तोहफा दिया है, जिसे सुनकर हर कोई खुश हो जाएगा। कंपनी ने पहली बार हजारों कर्मचारियों के लिए स्टॉक ओनरशिप प्लान (ईएसओपी) शुरू किया है। इसमें खास बात ये है कि इस बार ऑफिस में बैठने वाले कर्मचारियों के साथ फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूर भी शामिल हैं। ये योजना महिंद्रा ग्रुप की तीन मुख्य कंपनियों- महिंद्रा एंड महिंद्रा, महिंद्रा इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल और महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी के कर्मचारियों के लिए लाई गई है। बता दें पिछले कुछ सालों में महिंद्रा ने जबरदस्त तरक्की की है।

कंपनी की गाड़ियां, खासकर थार जैसे एसयूवी बाजार में धूम मचा रही है। इसकी वजह से कंपनी का स्टॉक पिछले पांच साल में 12 गुना बढ़ा है। यही नहीं महिंद्रा ने ह्युंडई को पीछे छोड़कर भारत में दूसरी सबसे बड़ी यात्री व्हीकल कंपनी का तमगा भी हासिल कर लिया है। इस प्रदर्शन से कंपनी ने अपने कर्मचारियों को इस कामयाबी का हिस्सा बनाने का फैसला किया है। ये कदम दीवाली से पहले कर्मचारियों के लिए एक बड़ा तोहफा है, जो न सिर्फ उनकी जिंदगी को बेहतर बनाएगा, बल्कि कंपनी के भविष्य को भी और मजबूत करेगा।

इस ईएसओपी योजना के तहत कर्मचारियों को रिस्ट्रिक्टेड स्टॉक यूनिट्स दिए जाएंगे। मतलब यह है कि कर्मचारी कंपनी के शेयर के मालिक बन सकते हैं, जो उनकी मेहनत और कंपनी की तरक्की को जोड़ता है। कंपनी ने एक पत्र जारी कर कहा कि ये योजना कर्मचारियों के बीच संपत्ति बनाने का मौका देगी।

सिराज और कृष्णा के झटकों से इंग्लैंड 247 रन पर सिमटा, भारत के स्टंप तक दो विकेट पर 75 रन

लंदन (एजेंसी)। मोहम्मद सिराज (86 रन देकर चार विकेट) और प्रसिद्ध कृष्णा (62 रन देकर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी से इंग्लैंड को पहली पारी में 247 रन पर समेटने के बाद भारत ने शुक्रवार को यहां पांचवें और अंतिम टेस्ट के दूसरे दिन स्टंप तक दूसरी पारी में दो विकेट पर 75 रन बनाकर 52 रन की बढ़त हासिल कर ली।

सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 51 रन और रात्रिप्रहरी आकाश दीप चार रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। जायसवाल आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की 23 रन की बढ़त को खत्म किया, इस दौरान दो बार उनका कैच छूटा। उन्होंने जैमी ओवरटन की शॉर्ट लेंथ गेंद पर अपरकट से छक्का जड़कर 44 गेंद में श्रृंखला में अपना तीसरा अर्धशतक पूरा किया।

भारत ने केएल राहुल (07) और साई सुदर्शन (11) के विकेट गंवा दिए। राहुल लूज शॉट खेलकर जोश टंग का शिकार हुए जबकि सुदर्शन स्टंप से तुरंत पहले गस एटकिंसन की गेंद पर पगबाधा आउट हुए। जायसवाल ने एटकिंसन के शुरुआती ओवर में तीन चौके जड़े जिसमें एक शानदार स्ट्रेट ड्राइव भी शामिल था। स्टंप से पहले तीसरा कैच छूटा जब जाक क्रॉली ने सुदर्शन को कैच करने का मौका गंवा दिया।

इससे पहले हैरी ब्रुक की 64 गेंद में 53 रन की आक्रामक पारी के समाप्त होने के बाद इंग्लैंड अंतिम सत्र में ऑल आउट हो गया। क्रिस वोक्स कंधे की चोट के कारण बल्लेबाजी करने नहीं उतरे और इंग्लैंड के 247 रन पर नौंवा विकेट गंवाते ही पहली पारी समाप्त हो गई जिससे उसने 23 रन की बढ़त हासिल की।

सुबह भारत की पहली पारी आधे घंटे के अंदर 224 रन पर खत्म हो गई और टीम ने बचे हुए चारों विकेट 20 रन के अंदर गंवा दिए। सिराज ने दोपहर के सत्र में आठ ओवरों के शानदार स्पैल में तीन विकेट चटकाकर भारत को वापसी कराई जिससे चाय तक इंग्लैंड ने सात विकेट पर 215 रन बना लिए थे। चाय सत्र के बाद बारिश के व्यवधान के कारण कुछ देर तक खेल रोकना पड़ा, तब तक इंग्लैंड ने गस एटकिंसन के रूप में आठवां विकेट खो दिया था जो कृष्णा का शिकार हुए।

खेल शुरू होने के बाद सिराज ने ब्रुक (53 रन) को बोल्ड कर उसका आखिरी विकेट झटक लिया। सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने दूसरे सत्र में तीन तीन विकेट झटके जिससे इंग्लैंड ने मुख्य बल्लेबाज जो रूट (29 रन), जाक क्रॉली (64 रन), कार्यवाहक कप्तान ओली पोप (22 रन) और जैकब बेथेल (छह रन) के विकेट गंवा दिए। रूट और कृष्णा के बीच इस दौरान तीखी नोकझोंक भी हुई।

शुरुआती सत्र में इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ तेजी से रन जुटाए। लेकिन भारतीय तेज गेंदबाजों ने ब्रेक के बाद लेंथ हासिल करते हुए वापसी की। कृष्णा की गेंद पर क्रॉली ने पुल शॉट लगाने में गलती की और मिडविकेट पर कैच आउट हो गए। पिच से तेज गेंदबाजों को लगातार मदद मिल रही है। सिराज ने पोप और रूट को पगबाधा आउट किया। फिर एक इनस्विंग यॉर्कर से बेथेल को भी पगबाधा आउट किया। सिराज लगातार कोशिश करते रहे और उन्हें इसका फल भी मिला। एक बार फिर उन्होंने दिखाया कि वे कार्यभार प्रबंधन में विश्वास नहीं रखते। कृष्णा भी प्रभावशाली रहे। उन्होंने चाय सत्र के अंतिम ओवर में जैमी स्मिथ और जैमी ओवरटन के विकेट झटके।

भारत को खेल के पहले आधे घंटे में पहली पारी में 224 रन पर समेटने के बाद इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज क्रॉली और बेन डकेट ने मेहमान टीम के तेज गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। डकेट (43 रन) और क्रॉली ने मर्जी से चौके जड़े जिससे इंग्लैंड लंच ब्रेक तक एक विकेट पर 109 रन बना चुका था। आकाश दीप, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की तिकड़ी के पास इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों के लिए कोई रणनीति नहीं दिख रही थी। पर भारत को लंच से 15 मिनट पहले डकेट का विकेट मिलने से राहत मिली।

आकाश दीप की गेंद पर एक और रिवर्स हिट लगाने की कोशिश में डकेट विकेट के पीछे कैच आउट हो गए। इस तरह इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों ने महज 77 गेंद में 92 रन बना लिए। क्रॉली ने 12 चौके से पांच सिराज की गेंदों पर लगाए। उन्होंने आकाश दीप की गेंद पर थर्ड मैन पर चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। डकेट ने इच्छानुसार शॉट लगाए। उन्होंने आकाश दीप की गेंद पर रिवर्स स्कूप शॉट लगाया और इसके बाद सिराज की गेंद पर रैंप ऑफ पर छक्का जड़ दिया। डकेट के आउट होने के बाद पोप क्रीज पर उतरे। उन्होंने कवर ड्राइव शॉट्स लगाकर शुरुआत की।

वहीं दिन की शुरूआत छह विकेट पर 204 रन से शुरू करने वाले भारत ने पहले 30 मिनट में 20 रन के अंदर बाकी के चार विकेट गंवा दिए। करुण नायर (109 गेंद में 57 रन) और वाशिंगटन सुंदर (26 रन) जल्दी आउट हो गए जिसके बाद एटकिंसन ने पुछल्ले बल्लेबाजों को पवेलियन भेज दिया। इंग्लैंड के लिए एटकिंसन ने पांच जबकि जोस टंग ने तीन विकेट चटकाये।

एएफसी महिला एशियाई कप में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा लक्ष्य : स्वीटी

उदयपुर (एजेंसी)। भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तान स्वीटी देवी ने कहा है कि उनकी टीम का लक्ष्य अगले साल होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। स्वीटी के अनुसार एशियाई कप में मुकाबले आसान नहीं रहेंगे। उसे इसमें जापान, वियतनाम और चीनी ताइपे जैसी मजबूत टीमों के साथ ग्रुप सी में रखा गया है। ऐसे में टूर्नामेंट की अच्छी तैयारी के लिए उसे इससे पहले होने वाले दोस्ताना मैच में मेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। भारतीय टीम महिला एशियाई कप की शुरुआत में ग्रुप सी में 4 मार्च, 2026 को वियतनाम के खिलाफ शुरुआती मुकबाला खेलेगी। वहीं इसके बाद उसे 7 मार्च को जापान और 10 मार्च को चीनी ताइपे से खेलना होगाहोगा।

स्वीटी ने कहा, यह टूर्नामेंट हमारे लिए आसान नहीं होगा पर हमारी पूरी तैयारी रहेगी। हम अगले साल मार्च तक कई मैत्री मैच खेलेंगे और उन मैचों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। साथ ही कहा कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के किये जा रहे प्रयासों की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे महिला फुटबॉल का विकास होगा। इसी कड़ी में जिंक फुटबॉल अकादमी का प्रारंभ होना भी सकारात्मक कदम है।

इस महीने क्वालिफायर में मेजबान थाईलैंड को 2-1 से हराकर स्वीटी की कप्तानी में भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने टूर्नामेंट के लिए एशियाई कप के क्वालिफाई किया था।

स्वीटी ने कहा, मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तानी करने का अवसर मिला। मैं भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन करती रहूंगी और अपने फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने के लिए प्रयास करूंगी। मुझे भरोसा है कि हमारी टीम में इस प्रकार की क्षमता है हालांकि इसके लिए हमें कठिन प्रयास करने होंगे।

सीए को एशेज में रिकार्ड दर्शकों के आने की उम्मीद

सिडनी (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) को उम्मीद है कि आगामी एशेज सीरीज को देखने रिकार्ड संख्या में दर्शक आयेंगे। सीए के के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉड ग्रीनबर्ग के अनुसार भारत और इंग्लैंड के बीच जिस प्रकार के रोमांचक मुकाबले हुए हैं उसका भी सकारात्मक प्रभाव एशेज सीरीज पर पड़ेगा और अधिक से अधिक दर्शक ये मुकाबले देखना चाहेंगे।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज इस साल के अंत में होगी। ग्रीनबर्ग को उम्मीद है कि एशेज में दर्शकों की संख्या भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) के दर्शकों से अधिक होगा। बीजीटी के दौरान कुल 837,879 दर्शक स्टेडियम पहुंचे थे। ग्रीनबर्ग ने कहा, '' एक क्रिकेट प्रशंसक के तौर पर अगर कहा जाये तो भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही सीरीज देखने लायक होगी। इसका प्रभाव एशेज पर भी नजर आयेग और जमकर टिकट बिकेंगे।''

बुमराह को अपने मैच तय करने का अधिकार : डोइशे

लंदन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच रेयान टेन डोइशे ने कहा है तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के आराम लेने से किसी को भी समस्या नहीं होनी चाहिये। डोइशे ने कहा कि बुमराह को अधिकार है कि वह ये तय करें कि उन्हें कितने मैच खेलने हैं। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में तीन टेस्ट ही खेले हैं और सीरीज की शुरुआत में ही उन्होंने ये घोष्णा कर दी थी। बुमराह ने पहला टेस्ट खेला पर वह दूसरे टेस्ट से बाहर रहे। इसके बाद लॉडर्स और ओल्ड टैफर्ड में उन्होंने लगातार दो मैच खेले। वहीं अंतिम टेस्ट से भी वह बाहर हैं।

डोइशे ने कहा कि बुमराह जैसे खिलाड़ी के बिना उतरना हमेशा ही कठिन रहता है। उन्होंने कहा, 'बुमराह का मामला कठिन । हम चाहते थे कि वह खेले पर उसके कार्यभार के कारण फिटनेस पर पड़ने वाले प्रभाव को देखते हुए हमें लगा कि उसे टीम में शामिल करना सही नहीं होगा। उसने काफी ओवर फेंके हैं। मुझे पता है कि ऐसा लगता नहीं क्योंकि उसने तीन ही टेस्ट खेले और मैनचेस्टर में एक ही पारी में गेंदबाजी की। डोइशे ने आगे कहा, 'लेकिन उसका कार्यभार देखें तो उसने काफी ओवर डाले हैं। उसने दौरे से पहले ही कह दिया था कि वह तीन ही टेस्ट खेलेगा और हमें लगा कि उसके फैसले का सम्मान करना चाहिए। डोइशे ने कहा, 'यह कहना सही नहीं होगा। उसने कहा था कि वह तीन ही मैच खेलेगा और उसने हम पर छोड़ दिया कि वह तीन मैच कौन से होंगे। मुझे लगता है कि उन खिलाड़ियों पर ध्यान देना जरूरी है जो नहीं खेल रहे हैं, खासकर जब आपके पास 18 खिलाड़ी हों। उन्होंने कहा कि हमने सभी फैसले टीम हित में लिए हैं। साथ ही कहा कि जिन खिलाड़ियों को इस सीरीज में अवसर नहीं मिला है। वे भी काफी अच्छे हैं हालांकि टीम संयोजन को बनाये रखने उन्हें अवसर नहीं मिल पाया।

भारत और इंग्लैंड मैच देखते नजर आये ललित मोदी और विजय माल्या पर भड़के लोग

ओवल (एजेंसी)। यहां भारत और इंग्लैंड के बीच जारी अंतिम टेस्ट मैच में आईपीएल के पहले कमिश्नर रहे ललित मोदी और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मालिक रहे विजय माल्या को बैठे देखकर सभी हैरान हो गये। ये दोनो ही भारत में करोड़ों के घोटाले के बाद भाग गये थे। ऐसे में मैच में इनकी मौजूदगी से विवाद पैदा हो गया। ललित मोदी ने सोशल मीडिया मे कुछ तस्वीरे जारी की थीं जिसमें वह विजय माल्या के साथ बैठे नजर आ रहे थे। इनके साथ ही वेस्टंडीज के पूर्व क्रिकेटर क्रिस गेल और भारत के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज फारुख इंजीनियर भी दिखे। इन तस्वीरों के सामने आते ही लोगों में नाराजगी फैल गयी। आपत्ति उठा रहे लोगों का कहना है कि भारत से घोटाला कर भागे ये लोग किस प्रकार आराम से मैच देख रहे थे। इससे पहले जुलाई में भी ललित मोदी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह और माल्या फैंक एक गाना गाते नजर आए थे। यह वीडियो ललित के लंदन स्थित घर पर हुए एक कार्यक्रम का था। ललित मोदी ने ही साल 2008 में आईपीएल शुरु की थी पर वह साल 2010 वित्तीय गड़बड़ियों और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोपों के बाद देश छोड़कर भाग गये थे।

कृष्णा बोले, मैदान के बाहर रुट मेरे अच्छे दोस्त

ओवल। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट के बीच यहां इंग्लैंड के खिलाफ हुए पांचवे टेस्ट मैच के दूसरे दिन तीखी बहस हो गयी। इसा दौरान अंपायर ने हस्तक्षेप करते हुए कृष्णा को शांत कराया। इंग्लैंड की पारी के 22वें ओवर का ये मामला है तब रूट को गेंद डालने के बाद कृष्णा ने कुछ कहा। इसके बाद अंपायर बीच में आये। रूट आम तौर पर अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देते हैं और विवादों से दूर रहते हैं पर इस बार वह भी भड़क गये। वहीं कृष्णा ने दिन का खेल समाप्त होने पर इसे अच्छी लड़ाई बताया है और कहा है कि मैदान के बाहर रूट से उनकी अच्छी दोस्ती है। कृष्णा ने रूट के साथ हुई बहस पर कहा, यह एक छोटी सी बात थी, एक प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त। वहीं कृष्णा ने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बाहर रने को लेकर कि कि वह खेलें या न खेलें। हमें पता है कि क्या करना है। मुझे उनकी जगह इसलिए लिया गया है ताकि मैं अपनी भूमिका निभा सकूं। वहीं अगर मैं मैच नहीं खेल पाऊंगा, तो मुझे अपनी रणनीति पर काम करना होगा। मैं यहां टीम के लिए काम करने आया हूं। मेरे लिए यह एक प्रक्रिया है, प्रदर्शन नहीं। मैच के दूसरे दिन भारतीय गेंदबाजों ने मेजबान टीम को 247 रनों पर ही समेट दिया। भारत की ओर से मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने 4-4 विकेट लिए। वहीं इससे पहले भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 224 रन बनाये थे।

पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 को जीतने उतरेगी वेस्टइंडीज

फ्लोरिडा (एजेंसी)। वेस्टइंडीज की टीम पाकिस्तान के खिलाफ यहां दूसरे टी20 मैच को हर हाल में जीतने उतरेगी। सीरीज के पहले मैच में वेस्टइंडीज की टीम को हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में वह इस सीरीज में 1-0 से पीछे है। इस मुकाबले में जहां पाक टीम को बल्लेबाजी में सईम अयूब, फखर जमान, हसन नवाज और कप्तान सलमान आगा वहीं गेंदबाजी में शाहीन अफरीदी, मोहम्मद नवाज, हारिस रऊफ और फहीम अशरफ से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। वहीं वेस्टइंडीज की टीम कप्तान शाई होप के अलावा शेरफेन रदफोर्ड, जेसन होल्डर, शमर जोसेफ, जॉनसन चार्ल्स और ज्वेल एंड्रयू के भरोसे रहेगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो पाक का पलड़ा भारी दिखता है। दोनो ही टीमों के बीच साल 2011 से लेकर अब तक 22 टी20 मैच खेले गये हैं। जिसमें 16 मैच पाकिस्तान ने जीते हैं और केवल तीन मुकाबले ही वेस्टइंडीज जीती है। तीन मुकाबलों में कोई परिणाम नहीं आये। पाक ने वेस्टइंडीज को पहले टी20 में 14 रनों से हराया था। पाक टीम ने पहल मैच में छह विकेट पर 178 रन बनाये थे जिसके जवाव में वेस्टइडीज की टीम 164 रन ही बना पायी। ऐसे में सीरीज बराबर करने के लिए वेस्टइंडीज को ये मैच हर हाल में जीतना रहेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पाक: सलमान आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, साहिबजादा फरहान, सईम अय्यूब, शाहीन शाह अफरीदी और सुफियान मुकीम।

वेस्टइंडीज: शाई होप (विकेटकीपर कप्तान), ज्वेल एंड्रयू, एलिक एथनाज, जेदिया ब्लेड्स, कीसी कार्टी, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, जेसन होल्डर, अकील होसेन, शमर जोसेफ, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड और रोमारियो शेफर्ड।

नेशनल बैंक ओपन : जेसिका हारी, स्वियातेक और सेवास्तोवा जीती

मांट्रियल। अमेरिका की जेसिका पेगुला जेसिका पेगुला नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल में हार के साथ ही बाहर हो गयी। दो बार की विजेता जेसिका को तीसरे दौर के मुकाबले में लाटीविया की अनास्तासिया सेवास्तोवा ने 6-3, 4-6, 1-6 से हराया। सेवास्तोवा का मुकाबला अब जापान की नाओमी ओसाका से होगा, ओसाका ने एक अन्य मुकाबलें लाटविया की येलेना ओस्टापेंको को 6-2, 6-4 से हराया था। वहीं अन्य मुकाबलों की बात करें तो पोलैंड की इगा स्वियातेक ने जर्मनी की इवा लिस को 6-2, 6-2 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी। स्वियातेक का मुकाबला अब डेनमार्क की क्लारा टाउसन से होगा, टाउसन ने एक अन्य मुकाबले में यूक्रेन की यूलिया स्टारोडुबत्सेवा को 6-3, 6-0 से हराया था। एक अन्य मुकाबले में अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा ने इंग्लैंड की एम्मा राडूकानू को 6-2, 6-1 से पराजित किया। अब अमांडा का सामना यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना से होगा। स्वितोलिना ने रूस की अन्ना कालिंस्काया को 6-1, 6-1 से हराया। वहीं पुरुष वर्ग के एकल में अमेरिका के टेलर फिट्ज ने कनाडा के लंबे गैब्रियल डायलो को 6-4, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनायी फिट्ज का सामना अब चेक गणराज्य के 19वीं वरीयता प्राप्त जिरि लेहेका से होगा। एक अन्य मैच में अमेरिका के बेन शेल्टन ने हमवतन ब्रेंडन नकाशिमा को 6-7, 6-2, 7-6 से हराया। अब वह इटली के 13वीं वरीयता प्राप्त फ्लावियो कोबोली से खेलेंगे। रूस के छठी वरीयता प्राप्त आंद्रेइ रूबलेव ने इटली के लोरेंजो सोनेगो को 5-7, 6-4, 6-3 से हराया

एशिया कप: भारत-पाकिस्तान मुकाबले के लिए बीसीसीआई की सहमति के खिलाफ शिवसेना ने किया प्रदर्शन

जम्मू, (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) की जम्मू-कश्मीर इकाई ने बीसीसीआई द्वारा आगामी एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने के लिए सहमति जताए जाने का आज विरोध किया। उन्होंने कहा कि पिछ्ले चार दशकों से आतंकवाद का गंदा खेल खेल रहे पाकिस्तान के साथ खेल संबंध बहाल करना देश की जनभावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कदम होगा। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष मनीष साहनी ने कहा, 'पिछ्ले चार दशकों से जम्मू-कश्मीर में पुलवामा और पहलगाम हमलों सहित आतंकवाद का गंदा खेल खेल रहे पाकिस्तान के साथ खेल संबंध बहाल करना देश की जनभावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कदम होगा। मैच के दौरान सट्टेबाजी से आतंकवाद को बढ़ावा मिलता है। जब जल और वायु क्षेत्र को रोका जा सकता है, तो खेल संबंध क्यों?' साहनी के नेतृत्व में शिवसेना कार्यकर्ताओं ने मुट्ठी के पास प्रदर्शन किया और हाथों में तख्तियां लिए हुए थे जिन पर लिखा था, 'सिंदूर के हत्यारों के साथ खेल संबंध असहनीय हैं', 'जल और वायु क्षेत्र बंद, क्रिकेट क्यों?', 'मैच सट्टेबाजी के जरिए आतंकवाद को बढ़ावा देना' आदि।

साहनी ने कहा कि 'सिंदूर' के दुश्मनों के साथ किसी भी तरह का रिश्ता बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपमानित और गिड़गिड़ाने के बाद, पाकिस्तान ने एक बार फिर सीमा पर घुसपैठ और आतंकवादियों को पालना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस साल जनवरी से जुलाई (2025) तक जम्मू-कश्मीर में 98 आतंकवादी घटनाएँ हुईं और 32 आतंकवादी मारे गए। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद, मई में 13 घटनाओं में 13 आतंकवादी मारे गए, जून में 12 घटनाओं में चार आतंकवादी मारे गए और जुलाई में आठ घटनाओं में तीन आतंकवादी मारे गए। अगस्त के पहले ही दिन, कश्मीर के कुलगाम में एक आतंकवादी मारा गया, जबकि मुठभेड़ अभी भी जारी है, साहनी ने कहा कि पाकिस्तान नाम की पूंछ कभी सीधी नहीं होगी। भारत-पाक क्रिकेट मैच के दौरान सट्टा किंग दाऊद इब्राहिम खासकर और पाकिस्तान की गोद में छिपे उसके गुर्गे ज़्यादा सक्रिय हो जाते हैं। क्योंकि सबसे ज़्यादा सट्टा तब लगता है जब ये दोनों देश आमने-सामने होते हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस पैसे का एक बड़ा हिस्सा आतंकवादियों को पालने-पोसने में इस्तेमाल होता है। साहनी ने बीसीसीआई पर राष्ट्रीय भावनाओं को ठेस पहुंचाने और अपनी तिजोरियां भरने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने बीसीसीआई को हाल ही में आयोजित चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के दौरान भारतीय खिलाड़ियों (जिन्होंने पाकिस्तान के साथ लीग और सेमीफाइनल खेलने से साफ इनकार कर दिया था) से सीख लेने की सलाह दी है।

अंपायर कुमार धर्मसेना पर भड़के राहुल

ओवल। यहां भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन दोनो ही टीमों के खिलाड़ियों के बीच कई बार विवाद भी हुए। इंग्लैंड की बल्लेबाजी के दौरान जो रूट और भारतीय टीम के गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के बीच बहस हो गयी जिसमें के एल राहुल भी बीच में पड़ गये उनकी अंपायर कुमार धर्मसेना से बहस भी हो गयी। ये मामला इंग्लैंड की पारी के 22वें ओवर का है तब रूट को गेंद फेंकने के बाद कृष्णा ने कमेंट किया जिसपर रुट ने आपत्ति जतायी। मामला बढ़ने पर राहुल भी बहस में शामिल हो गये। सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो भी आया है। इसमें राहुल ने रूट और कृष्णा की बहस को लेकर कहा, क्या, आप चाहते हैं कि हम कुछ न बोलें? इसपर धर्मसेना ने कहा, क्या आप चाहते हैं कि कोई गेंदबाज आए और आपसे इस तरह बात करे? नहीं आप ये नहीं कर सकते। नहीं राहुल, हमें उस रास्ते पर नहीं जाना चाहिए। राहुल ने कहा, आप हमसे क्या चाहते हैं? सिर्फ बल्लेबाजी और गेंदबाजी करे व घर जाएं? हम मैच के अंत में इस पर बात करेंगे। आप इस तरह बात नहीं कर सकते।卐 अब देखना है कि अंतरराष्ट्रीय किकेट परिषद (आईसीसी) के पास ये मामला जाता है तो वह क्या फैसला करती है। आईसीसी के नियमों के अनुसार, अंपायर के साथ की बहस को लेवल-1 या लेवल-2 अपराध की श्रेणी में रखा जा सकता है।

यशस्वी जायसवाल के सामने पस्त हुए इंग्लिश गेंदबाज, शतक लगाते ही की रोहित और गावस्कर की बराबरी

लंदन (एजेंसी)। यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड दौरे की शुरुआत जहां शानदार शतकीय पारी से की थी, वहीं सीरीज के आखिरी टेस्ट मैच की दूसरी पारी में भी शतक लगाकर अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया है। लंदन के केनिंग्टन ओवल मैदान पर भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में टीम इंडिया की दूसरी पारी में जायसवाल ने बेहतरीन शतकीय पारी खेली। पहले पारी में महज 2 रन बनाकर आउट होने वाले यशस्वी ने इस बार अपने स्वाभाविक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए किसी भी अवसर को बेकार नहीं जाने दिया।

सीरीज में ठोका दूसरा शतक

यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में अब तक चार शतक लगा लिए हैं, जिससे उन्होंने रोहित शर्मा और सुनील गावस्कर के बराबर स्थान हासिल कर लिया है। जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैचों में अब तक 1100 से अधिक रन बनाए हैं। भारत की तरफ से इंग्लैंड के खिलाफ सबसे अधिक शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में राहुल द्रविड़ और सचिन तेंदुलकर पहले स्थान पर हैं, जिनके नाम सात- सात शतकीय पारियां दर्ज हैं। यशस्वी इस सूची में वर्तमान में चौथे स्थान पर हैं, जहां उनके ऊपर कप्तान शुभमन गिल समेत कुछ अन्य खिलाड़ी भी शामिल हैं।

सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ा

यशस्वी जायसवाल ने सचिन तेंदुलकर के एक बड़े रिकॉर्ड को भी तोड़ डाला है। उन्होंने महज 23 साल की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक फिफ्टी प्लस स्कोर बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। यशस्वी के नाम 23 साल की उम्र तक इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में नौ फिफ्टी प्लस पारियां हैं, जबकि सचिन तेंदुलकर ने इसी उम्र तक आठ फिफ्टी प्लस पारियां खेली थीं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

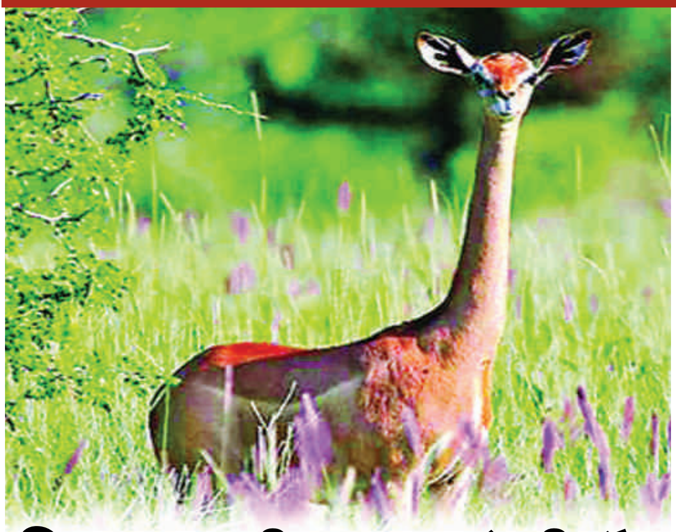

जिराफ की तरह होती हैं गेरेनक की गर्दन

'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' के देशों व अफ्रीकन ग्रेट लेक्स में पाया जाने वाला गेरेनक एक ऐसा हिरन है, जो अपनी पतली और लंबी गरदन और छरहरे शरीर के कारण 'जिराफ हिरन' के नाम से जाना जाता है। जब यह किसी पेड़ से सटकर पिछले दो पैरों पर खड़ा होकर उसकी पत्तियां खाता है, तो जिराफ की याद आ जाती है। इसकी लंबाई105 सेंटीमीटर और वजन 52 किलोग्राम तक हो सकती है।

बांग देने वाला पक्षी मुर्गा

बच्चो, पहले मुर्गी हुई या अंडा की पहेली तो आप लोग बाद में कभी हल करना, लेकिन आज हम आप को बांग देने वाला पक्षी मुर्गा के बारे में बता रहे हैं। सुबह-सुबह अपने कूंकूडू कूं से सबको जगाने वाला मुर्गा एक ऐसा पक्षी है, जो हमारी संस्कृति में रचा-बसा हुआ है। कहा जाता है कि मुर्गे की उत्पत्ति भारत भूमि पर हुई और यहां से ही पूरी दुनिया में मुर्गे को इंसान ले गया।

आज मुर्गे की जितनी भी नस्लें सारे संसार में हैं, वे सब लाल जंगली मुर्गे गैलस की वंशज हैं। यह अलग बात है कि आज लाल जंगली मुर्गा विलुप्त होने के कगार पर है। वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार मुर्गे और मानव जीवन में काफी समानताएं हैं। मानव और मुर्गे के जीनोम में से 50 फीसदी जीन आपस में मिलते हैं। मुर्गे को पालतू बनाने के कारणों में से प्रमुख है इनकी दिलचस्प लड़ाई। ऐसा माना जाता है कि मुर्गा काफी साहसी होता है। इस साहसी गुण के कारण ही इसको पालतू बनाया गया। इंसान में बहादुरी के कोई 20 लक्षणों की यदि लिस्ट बनाई जाए तो उसमें से चार गुण मुर्गे से जरूर मिल जाएंगे।

जब मुर्गे को पालतू बनाया गया तो इसके बारे में काफी कुछ लिखा गया। एक ऐसा पक्षी जिसके माथे पर चटक लाल रंग की कलगी और शरीर खूबसूरत लाल-काले, हरे, किंतु चमकदार पंखों से ढंका हुआ होता है। जब वह मिस्र के राज दरबार में पहली दफा पहुंचा तो उसे देखने वालों की खासी भीड़ जुटी। ऐसा माना जाता है कि लाल जंगली मुर्गे को सबसे पहले मोहनजोदड़ो और हड़प्पा में 2500-2100 ईसा पूर्व पालतू बनाया। इस दौर के बनाए चित्रों में मुर्गा दिखाई देता है। यहां अनेक मिट्टी के खिलौनों में भी नर और मादा मुर्गे को दिखाया गया है।

बिना सांस लिए भी जिंदा रहता है यह जीव

सांस लिए बिना कोई भी जीव-जंतु या इंसान की जिंदा रहना बेहद ही मुश्किल है। इस बात को हम सभी जानते हैं कि सांस के माध्यम से बिना ऑक्सीजन गैस लिए कोई जिंदा नहीं रह सकता है। लेकिन हाल ही में वैज्ञानिकों को एक ऐसा रहस्यमयी जीव (परजीवी) मिला है, जो बिना सांस लिए भी धरती पर जिंदा है। यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसके अंदर ये अनोखी विशेषता है। बता दें कि जेलीफिश की तरह दिखने वाले इस बहुकोशिकीय परजीवी में माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम नहीं है। किसी भी जीव को सांस लेने के लिए माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम बेहद ही जरूरी होता है। इन्हीं वजहों से इस परजीवी को जिंदा रहने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत नहीं पड़ती। इजरायल की तेल-अवीव यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं की टीम ने इस अद्भुत और रहस्यमय परजीवी की खोज की है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, यह परजीवी मछलियों से ऊर्जा प्राप्त करता है। लेकिन इस दौरान वो उन्हें किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंचाता। खास बात ये है कि मछलियां भी इस परजीवी को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं। ये परजीवी साल्मन फिश में पाए जाते हैं और ये तब तक जिंदा रहते हैं, जब तक कि मछली जिंदा रहती है। इस जीव का वैज्ञानिक नाम हेन्नीगुया साल्मिनीकोला है। शोध के प्रमुख डयाना याहलोमी ने बताया कि यह जीव इंसानों या दूसरे जीवों के लिए बिल्कुल भी नुकसानदायक नहीं है। हालांकि, यह अब तक रहस्य ही बना हुआ है कि आखिर इस तरह का जीव पृथ्वी पर विकसित कैसे हुआ, जो बिना ऑक्सीजन के भी जिंदा रह सकता है। शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने इस परजीवी को फ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोप से देखा, जिसमें उन्हें माइटोकॉन्ड्रिंयल डीएनए नहीं दिखा। इसके बाद यह स्थिति साफ हो गई कि यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसे जीने के लिए सांस लेना जरूरी नहीं है। हालांकि, साल 2010 में भी इटली के शोधकर्ताओं को इसी तरह का एक जीव मिला था, जिसमें साफतौर पर माइटोकॉन्ड्रिंयल डीएनए नहीं दिखा था। उसकी ऊर्जा का स्रोत हाइड्रोजन सल्फाइड था। लेकिन नए मिले इस जीव को तो हाइड्रोजन सल्फाइड की भी जरूरत नहीं है।

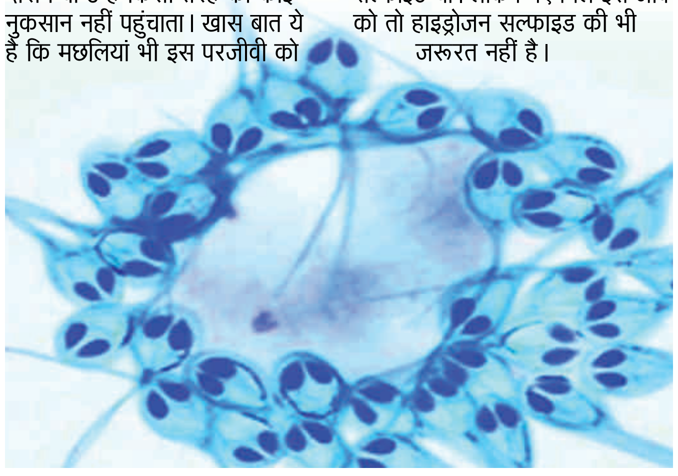

समंदर में डूब रहे हैं दुनिया के ये बड़े शहर

क्लाइमेट सेंट्रल नाम के प्रोजेक्ट ने ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से बढ़ते खतरों पर एक रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट में हैरान कर देने वाली बात कही गयी है। रिपोर्ट के मुताबिक समुद्री जलस्तर और बाढ़ की वजह से अगले 9 सालों में दुनिया के ये शहर डूब सकते हैं। सिर्फ यही नहीं इस सूची में भारत के कोलकाता शहर का भी नाम शामिल है। चलिए जानते है कि इस रिपोर्ट में किन शहरों के डूबने का खतरा बताया जा रहा है.

जलवायु परिवर्तन की वजह से पूरी दुनिया में समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है.यही वजह है कि अब समुद्र के बढ़ते जलस्तर की वजह से कई शहरों के अस्तित्व पर ही खतरा मंडराने लगा है.कुछ ऐसे शहर हैं जो अब डूबने की कगार पर पहुंच गए हैं.समुद्र तटीय शहरों में बसे लोगों को इस खतरे का सबसे ज्यादा सामाना करना पड़ रहा है. जलवायु परिवर्तन पर प्रकाशित किए गए अध्ययन में इसका दावा किया गया है. अध्ययन में कहा गया है कि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की वजह से पृथ्वी पर मौजूद बर्फ तेजी से पिघल रही है जिससे पूरी दुनिया में समुद्र का स्तर बढ़ता जा रहा है.यही वजह है कि समुद्र के पानी का विस्तार हो रहा है. परिणाम स्वरूप न्यू ऑरलियन्स और जकार्ता जैसे शहरों में समुद्र के स्तर में बहुत तेजी से वृद्धि हो रही है.पानी के बढ़ने के साथ ही इन तटीय शहरों की जमीन डूब रही है.

शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने अपने अध्ययन में पाया कि समुद्र के बढ़ते स्तर की वजह से डूबती हुई भूमि ने दुनिया भर के तटीय निवासियों को असुरक्षित बना दिया है.इन तटीय शहरों में वैश्विक स्तर के मुकाबले समुद्र तट के जल स्तर में वृद्धि तीन से चार गुणा ज्यादा है.

यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के टिंडाल सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज के अध्ययन के नेतृत्वकर्ता और स्टटी के लेखक रॉबर्ट निकोल्स ने कहा कि हम कोई पूर्वानुमान नहीं बता रहे हैं बल्कि हम जो हो रहा है उसके बारे में बात कर रहे हैं.यह बेहद महत्वपूर्ण और चिंताजनक विषय है.शोध में सिल्वर लाइनिंग का जिक्र करते हुए बताया गया कि जिस तरह मानव गतिविधि की वजह से धरती के एक बड़े हिस्से से भूजल गायब होता जा रहा.तटीय इलाकों में मानवीय गतिविधि की वजह से समुद्र से सटे इलाकों के डूबने का खतरा पैदा हो गया है.

रिसर्च में कहा गया है कि तटीय भूमि के लगातार कम होने के कुछ कारक मानव नियंत्रण से परे हैं.पृथ्वी के कुछ हिस्सों में अभी भी ग्लेशियरों के लुप्त होने से होने वाली समस्या को प्रकृति अपने तरीके से समायोजित कर रही है. लेकिन उन प्राकृतिक प्रक्रियाओं के अलावा, भूजल निकासी, तेल और गैस निकासी, रेत खनन, और नदियों के आसपास बाढ़ अवरोधों के निर्माण (बांध) सहित मानव गतिविधियां जमीन डूबने का कारण बन सकती हैं. उन स्थानों पर जहां लोग केंद्रित हैं, ये गतिविधियां, विशेष रूप से भूजल को खत्म करने, भूमि को और अधिक तेजी से कम करने का कारण बनती है, जो अकेले भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से होती है.20 वीं शताब्दी में, जकार्ता, न्यू ऑरलियन्स, शंघाई और बैंकाक के तटीय जमीन छह से 10 फीट तक पानी में डूब गए.सैटेलाइट के जरिए इन इलाकों की पैमाइश के अध्ययन से निष्कर्ष निकला कि समुद्री स्तर में वृद्धि प्रति वर्ष लगभग 3.3 मिलीमीटर (एक इंच के लगभग आठवें हिस्से) हो रही है. शोधकर्ता निकोलस और उनके सहयोगियों ने पाया कि औसतन, पृथ्वी की तटरेखाओं ने वास्तव में 1993 से 2015 के बीच लगभग 26 मिलीमीटर प्रति वर्ष (0.1 इंच) की तुलना में थोड़े कम सापेक्ष लिफ्ट का अनुभव किया है, क्योंकि ग्लेशियल रिबाउंड के कारण भूमि अभी भी बढ़ रही है.लेकिन ऐसा वहां नहीं हो रहा जहां अधिकांश लोग रहते हैं.इसी अवधि में, पृथ्वी के तटीय निवासियों ने समुद्र जल स्तर में औसतन 7.8 से 9 मिलीमीटर सालाना (लगभग आधा इंच) की वृद्धि देखी है. शोध के मुताबिक यह इस तथ्य को दर्शाता है कि तटीय निवासी तेजी से डूबने वाले क्षेत्रों पर आश्रित हैं जिसमें डूबते हुए डेल्टा और डूबते हुए शहर शामिल हैं.समस्या विशेष रूप से दक्षिण पूर्व एशिया में है, जहां 2015 में, 185 मिलियन लोग तटीय बाढ़ के मैदानों में रहते थे.तटीय इलाकों में रहने वाली लोगों की वैश्विक संख्या के 75 फीसदी लोग इन इलाकों में रहते हैं.ऐसे लोग नदी की बाढ़ और समुद्र के स्तर में वृद्धि दोनों के खतरों का सामना कर रहे हैं.

कुछ सालों में डूब जाएंगे दुनिया के ये बड़े शहर!

न्यू ओरलिंस, अमेरिका

अमेरिका के न्यू ओरलिंस शहर में नहरों और जलीय शाखाओं का जाल बिछा हुआ है। ये जाल न्यू ओरलिंस शहर को बाढ़ से बचाता है। अगर ये सुरक्षा जाल नहीं होता तो इस शहर में भारी तबाही मच जाती। वहीं अब कहा जा रहा है कि अगर समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ता है तो इस शहर के लिए खतरा है और ये शहर डूब जाएगा।

एम्स्टर्डम, द नीदरलैंड्स

द नीदरलैंड्स में एम्स्टर्डम, रॉटरडम और हॉग जैसे शहर कम ऊंचाई पर स्थित हैं और ये नॉर्थ सी के बेहद नजदीक हैं। लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि जिस हिसाब से समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, उसे देखकर लगता है कि ये शहर भी डूब जाऐंगे। इतना ही नहीं कोई भी डैम, बैरियर, फ्लडगेट इन शहरों को नहीं बचा पाएंगे।

बसरा, इराक

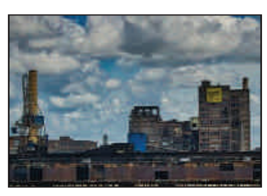

इराक ये शहर शत अल-अरब नाम की बड़ी नदी के किनारे बसा है। ये नदी पारस की खाड़ी से मिलती है। वहीं कई सारी नहरों और बैक वॉटर चैनल के जरिए ये शहर खाड़ी से जुड़ा है। इसकी वजह से इस शहर के आसपास काफी दलदली इलाका भी है। अगर समुद्री जलस्तर बढ़ता है तो इस शहर को खतरा है। बाढ़ आई तो इस शहर में काफी ज्यादा नुकसान हो सकता है। सिर्फ यही नहीं ये नक्शे से खत्म भी हो सकता है।

वेनिस, इटली

इटली का वेनिस शहर पानी के बीच में बसा हुआ है। यहां पर हर साल बाढ़ आती है। सबसे बड़ी बात ये है कि इस शहर में दो तरह का खतरा है। पहला समुद्र का जलस्तर बढ़ना और दूसरा ये शहर अपने आप डूब रहा है। हर साल 2 मिलिमीटर नीचे धंस रहा है। अगर समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ा तो 2030 तक ये शहर पानी के अंदर डूब जाएगा।

हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम

वियतनाम के पूर्वी इलाके में बसे इस शहर की ऊंचाई समुद्र तल से ज्यादा नहीं है। इस शहर को सबसे बड़ा खतरा मेकॉन्ग डेल्टा से है। इस डेल्टा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। वैज्ञानिकों को आशंका है कि हो ची मिन्ह सिटी साल 2030 तक पानी के अंदर डूब जाएगा।

ये है दुनिया की सबसे खतरनाक चीटियां

चीटियों को आप किस वजह से पहचानते हैं। उनकी मेहनत की वजह से, चीटियां अपने धुन की पक्की होती है और चीटियां जब तक अपने काम को पूरा नहीं कर लेती वह रुकती नहीं है। इसके अलावा चीटियों की तारीफ इस वजह से भी की जाती है कि चीटियां इतनी छोटी होने के बावजूद भी अपने से कई गुना वजन को उठा लेती हैं। चीटियों का ये सामाजिक ताना-बाना बड़ा ही कमाल का है। लेकिन चीटियों से जुड़ी हुई एक ऐसी खबर आई है। जिसे जानने के बाद आप हैरान रह जाएंगे।

दरअसल कुछ ऐसी चीटियों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई है। जोकि फिदायीन हमलावर की तरह अपने अंदर धमाका कर लेती हैं। बिल्कुल सही सुना आपने, दरअसल न्यूयॉर्क टाइम्स ने जनरल जूकीज में छपी स्टडी के मुताबिक ब्रूनेई के बेलालॉन्ग फील्ड स्टडीज सेंटर के सामने पेड़ों के करीब चीटियों के ऐसे कई घर मौजूद हैं। यह चीटियां अपने घर पर हमला होने की सूरत में अपनी जान तक दे देती हैं।

इन चींटियों के अंदर धमाका करने की एक खास प्रवृत्ति मौजूद है। और इसी वजह से इन्हें कोलोबोपसिस एक्सप्लोडेंस कहा जाता है। जब इन चीटियों के घोसले पर हमला या फिर अतिक्रमण कर दिया जाए तो यह चीटियां अपने पेट में धमाका कर लेती हैं। जिसके बाद इन चीटियों के पेट से चिपचिपा, चमकीला, पीला फ्लूइड बाहर निकल आता है। जो कि बहुत ज्यादा जहरीला होता है। ये बिल्कुल उसी तरह है जैसे कि मधुमक्खी डंक मारने के बाद अपने प्राण त्याग देती है उसी तरह यह चीटियां भी अपने घर को बचाने के लिए अपनी जान देने में पीछे नहीं रहती है। इन चींटियों के द्वारा पेट में किया जाने वाला ये धमाका इनके घरों को जरूर बचा लेता है। धमाका करने वाली चींटियों को एक्सप्लोडेंस नाम से जाना जाता है। जब इनके घर पर हमला होता है तो यह खुद के पेट मे धमाका कर लेती है। इसके पश्चात इनके पेट से जहरीला पिला चमकीला फ्लूइड बाहर निकलने लगता है। जिस प्रकार मधुमक्खी डंक लगाने के बाद मार जाती है ठीक उसी प्रकार ये चींटियां भी अपना घर बचने के लिए खुद को इस धमाके में नष्ट कर लेती है।

दरअसल वैज्ञानिक अपने अंदर धमाका करने वाली इन चीटियों के बारे में पिछले 200 साल से भी ज्यादा वक्त से जानते हैं। और आपको बतादें की साल 1916 में पहली बार इन चींटियों के बारे में बताया गया था। लेकिन साल 1935 से इस समूह की चींटियों को कोई भी आधिकारिक नाम नहीं मिला था।

हाथी और चूहा

एक बहुत घना जंगल था। इतना कि उसमें सूर्य की किरणें भी नहीं पहुंच पाती थीं। इस जंगल में तरह-तरह के भयानक जानवर थे। सभी सुख-चैन से रह रहे थे। एक दिन उस घने और भयानक जंगल में एक हाथी आ पहुंचा। देखने में पहाड़ जैसा ऊंचा और शक्तिवान। जब वह चलता, तो सारे जानवर उसे छिपकर देखते थे। उसके चिंघाड़ने से जंगल में भगदड़ मच जाती थी। बड़े जानवर छिप जाते और छोटे जानवर अपनी मांदों में दुबक जाते। जंगल के जानवरों का सुख-चैन छिन गया।

यह देख, हाथी बहुत परेशान रहने लगा। उसकी समझ में कुछ नहीं आ रहा था। वह तो उन्हें दोस्त बनाने के लिए प्यार से आवाज लगाता था, पर होता उलटा ही था। उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर उसमें कौन सी बुरी आदत है? वह रात-दिन यही सोचने लगा।

एक दिन हाथी उदास मन से धीरे-धीरे घूम रहा था। जब वह जंगल के एक पुराने बरगद के नीचे पहुंचा, तो उसे एक चीख सुनाई पड़ी। कोई चिल्ला रहा था, बचाओ-बचाओ! हाथी ने सिर उठाकर देखा, एक नन्हा सा चूहा पेड़ की टहनियों में उलझा चिल्ला रहा था। हाथी बोला, घबराओ नहीं, मैं अभी तुम्हें बचाता हूं। हाथी को देखकर पहले तो चूहा कुछ डरा। लेकिन मरता क्या न करता! चूहा डर भूल गया और हाथी को डबडबाई आंखों से देखने लगा। हाथी ने अपनी सूंड ऊपर उठा दी और चूहा उस पर बैठकर नीचे उतर आया।

नीचे आते ही चूहा तेजी से भाग गया। उसने पीछे मुड़कर भी नहीं देखा। बेचारे हाथी ने तो सोचा था कि चूहा ही उसका दोस्त बनेगा, पर वह भी भाग गया। अब हाथी को विश्वास हो गया कि उसका कोई भी दोस्त नहीं बन सकता। यह सोचकर वह रोने लगा।

लेकिन थोड़ी ही देर में चिड़ियों का मधुर गाना उसे सुनाई पड़ने लगा। ऐसा गाना उसने इस जंगल में पहले कभी नहीं सुना था। देखते ही देखते जंगल के सारे जानवर हाथी के चारों तरफ एक घेरा बनाकर नाचने-गाने लगे। कोई सीटी बजा रहा था, तो बंदर ढोल पीट रहा था। शेर सुरीली आवाज में गा रहा था। हाथी को यह सब एक सपने की तरह लग रहा था। हाथी ने हैरानी से देखा, झुंड में वही चूहा सबसे आगे था, जिसे हाथी ने बचाया था।

उस छोटे चूहे ने कहा, आज तुमने मुझे बचाया है। तुम बहुत ही अच्छे हो। शरीर से चाहे कितने ही बड़े हो, परंतु तुम्हारा दिल दया और प्रेम से भरा हुआ है। आज से तुम हम सबके दोस्त हो और हम सब तुम्हारे। हाथी ने उन्हें बताया कि असल में उसका जोर से बोलने का मतलब जानवरों को डराना और नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि दोस्त बनाना था। अब हाथी भी उस नाच-गाने में शामिल हो गया। सारे जानवर और भी झूम-झूमकर नाचने लगे। हाथी फिर कभी इतने जोर से नहीं चिल्लाया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाकुंभ के दौरान दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ की वजह बना यात्री का बैग

– रेलमंत्री ने संसद को बताया कैसे हुआ हादसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुंभ मेले के दौरान दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मची थी जिसमें 18 लोगों की मौत हो गई थी। भगदड़ को लेकर रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद को बताया है कि एक यात्री के सिर से बड़ा बैग गिरने की वजह से वह हादसा हुआ, जिसमें 18 लोगों की जान चली गई। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर रात के समय मची इस भगदड़ में 4 बच्चों और 11 महिलाओं की भी मौत हुई थी। मंत्री ने समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन की ओर से पूछे गए एक सवाल के लिखित जवाब में बताया कि 15 फरवरी को हुए दुखद हादसे की उच्च स्तरीय जांच समिति ने पाया कि एक यात्री के सिर से सामान गिरना भगदड़ की प्राथमिक वजह बनी।

प्रयागराज जाने वाली ट्रेनों में सवार होने के लिए हजारों लोग रेलवे स्टेशन पर पहुंचे थे। रात करीब 9-30 बजे के बीच प्लैटफॉर्म 14-15 को जोड़ने वाली सीढ़ी पर भगदड़ मची। वैष्णव ने संसद में दिए जवाब में बताया, एक यात्री के सिर से भारी सामान गिरा, जिससे दबाव प्लेटफॉर्म 14/15 की सीढ़ियों पर आ गया और यात्री गिरने लगे। फुटओवर ब्रिज 3 पर यह हादसा हुआ था। पोस्टमार्टम जांच के अनुसार पीड़ितों की मौत ट्रॉमैटिक एस्फिक्सिया (दम घुटने) से हुई। जांच समिति ने पाया कि भीड़ नियंत्रण के पर्याप्त इंतजाम किए गए थे लेकिन 8-15 बजे के बाद फुट ओवर ब्रिज पर यात्रियों की संख्या बहुत बढ़ गई थी। कई यात्रियों के सिर पर भारी सामान थे, जिसकी वजह से 25 फुट चौड़ी फुटओवरब्रिज पर आवाजाही में रुकावट हो रही थी। घटना के बाद एचटी ने रेलवे रिकॉर्ड्स के हवाले से बताया था कि शाम छह बजे से ही 1500 प्रति घंटे के हिसाब से 7600 अनारक्षित टिकट बेचे गए थे।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ मुंबई में 2017 की घटना के बाद सबसे बड़ी है। मुंबई के एलफिंस्टन रोड भगदड़ कांड में 23 लोग मारे गए थे। फरवरी में हुई भगदड़ के बाद सरकार की बहुत आलोचना हुई और भीड़ नियंत्रण के इंतजाम को लेकर सवाल उठे। रेलमंत्री ने संसद को बताया कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए भीड़भाड़ वाले 73 स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन के उपाय लागू

मंत्री ने कहा कि इन स्टेशनों के बाहर स्थायी होल्डिंग एरिया बनाए जाएंगे। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, आनंद विहार, वाराणसी, अयोध्या और गाजियाबाद में पायलट प्रॉजेक्ट चल रहे हैं। यात्रियों को तभी प्लैटफॉर्म पर जाने की अनुमति दी जाएगी जब ट्रेन आ जाएगी, जिससे स्टेशन एरिया में भीड़ कम रखने में

मदद मिलेगी। मंत्री ने बताया कि 73 स्टेशनों पर कंप्लीट एक्सेस कंट्रोल की शुरुआत की जाएगी। कंफर्म टिकट वाले यात्रियों को सीधे प्लैटफॉर्म पर जाने दिया जाएगा, जबकि बिना टिकट और अनारक्षित टिकट वाले यात्रियों को एक निश्चित क्षेत्र में रोका जाएगा। सभी अवैध रास्ते बंद किए जाएंगे। सभी स्टेशनों पर चौड़े फुटओवर ब्रिज बनाए जाएंगे।

झारखंड के मंत्री रामदास सोरेन बाथरूम में फिसलकर गंभीर रूप से घायल

रांची (एजेंसी)। झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन शनिवार सुबह अपने आवास के बाथरूम में फिसलकर गिर गए, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आ गई। उन्हें पहले जमशेदपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच में पाया कि उनके दिमाग में खून का थक्का जम (ब्लड क्लॉट) गया है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने मीडिया को बताया कि सोरेन की हालत स्थिर बनी हुई है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए दिल्ली स्थित अस्पताल में एयरलिफ्ट कर भेजा जा रहा है। अंसारी ने कहा, कि मैं खुद लगातार उनके स्वास्थ्य पर नजर बनाए हुए हूं। डॉक्टरों के मुताबिक सिर में गंभीर चोट के कारण खून का थक्का बना है, जिसे लेकर सतर्कता जरूरी है। सूत्रों के अनुसार, रामदास सोरेन सुबह के समय निजी निवास के बाथरूम में अचानक फिसल गए थे। इसके बाद परिवार और सहयोगियों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर लेकिन गंभीर बताई जा रही है। मुख्यमंत्री कार्यालय भी उनके स्वास्थ्य पर नजर रखे हुए है और राज्य सरकार की ओर से हरसंभव चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित की जा रही है। राज्य के साथ ही देशभर में मौजूद तमाम शुभचिंतक उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

इंफाल में अंतरराज्यीय साइबर अपराध गिरोह के दो लोग गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल में अंतरराज्यीय साइबर अपराध गिरोह में शामिल होने के आरोप में असम के दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ने बताया कि दोनों को शुक्रवार को जिले के खुमन लम्पक इलाके के पास से गिरफ्तार किया। ये लोग कथित तौर पर म्यूल बैंक खातों का उपयोग करके साइबर अपराध गिरोह संचालित कर रहे थे। म्यूल खाते वे बैंक खाते होते हैं जिनका इस्तेमाल साइबर अपराधी गैरकानूनी गतिविधियों से प्राप्त धन को प्राप्त करने और हस्तांतरित करने के लिए करते हैं। उन्होंने बताया कि वे असम के बारपेटा और चिरांग जिलों के निवासी थे। गिरफ्तार किए गए लोग एक आपराधिक गिरोह के सदस्य हैं और उन्हें लोगों के आधार कार्ड तथा बैंक खाते के विवरण जैसे संवेदनशील विवरण एकत्र करने का काम सौंपा गया था।

आयरलैंड में रह रहे भारतीयों के लिए दूतावास ने जारी की सुरक्षा सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयरलैंड के डबलिन में भारतीय समुदाय के लोगों पर बढ़ते हमलों के कारण, डबलिन स्थित भारतीय दूतावास ने रह रहे भारतीयों के लिए सुरक्षा सलाह जारी की है। यह सलाह विशेष रूप से डबलिन के तलाग्ट उपनगर में एक 40 वर्षीय भारतीय व्यक्ति पर हुए नस्लीय हमले के बाद आई है। हमले में पीड़ित भारतीय नागरिक के चेहरे पर कई बार चाकू से वार हुआ और भारतीय को नग्न करके छोड़ दिया गया था। वह कई घंटों तक बेसहारा पड़ा रहा। घटना को स्थानीय लोगों द्वारा विवेकहीन और नस्ली हिंसा बताया गया है। भारतीय दूतावास ने बताया है कि आयरलैंड में भारतीयों पर हो रहे हमलों में वृद्धि हुई है और वे इस मामले को लेकर आयरिश प्रशासन के संपर्क में हैं। दूतावास ने भारतीय नागरिकों से सुनसान इलाकों में अकेले जाने से बचने की अपील की है। दूतावास ने भारतीयों के लिए एक आपातकालीन नंबर भी जारी किया है। हमले के बाद पूरे आयरलैंड में विरोध प्रदर्शन हुए, जिसमें भारतीय, पाकिस्तानी, बांग्लादेशी और आयरिश नागरिकों ने भी हिस्सा लिया और न्याय की मांग की। आयरलैंड ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आयरलैंड में भारतीय राजदूत अखिलेश मिश्रा ने भी सोशल मीडिया पर इस हमले पर आश्चर्य व्यक्त किया है।

आईआईटी बॉम्बे के छात्र ने छत से कूदकर की आत्महत्या

मुंबई (एजेंसी)। आईआईटी बॉम्बे में पढ़ाई कर रहे 26 वर्षीय एक छात्र ने देर रात छात्रावास की बिल्डिंग से कूदकर आत्महत्या कर ली है। पीड़ित, दिल्ली निवासी रोहित सिन्हा, संस्थान में मेटा साइंस के चौथे वर्ष का छात्र था। घटना कथित तौर पर सुबह करीब 2-30 बजे हुई। पुलिस के अनुसार, छात्र ने हॉस्टल की बिल्डिंग की छत से छलांग लगा दी। छात्र को तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित किया। पुलिस ने बताया, जब रोहित ने छलांग लगाई, तब हॉस्टल में रहने वाला एक अन्य छात्र छत पर कॉल कर रहा था। पुलिस स्टेशन में आकस्मिक मृत्यु की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस फिलहाल आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है।

शराब के नशे में सपेरे ने मचाया उत्पात.... सांप को गले में डालकर दुकानों में घुसने लगा

मुंबई (एजेंसी)। कल्याणपुर इलाके में एक सपेरा नशे की हालत में था और उसके पास सांप का पिटारा था। सपेरे ने अचानक पिटारा खोलकर एक सांप निकाल और हाथ में लेकर घूमने लगा। वह दुकानों में घुसने की कोशिश करने लगा, जिससे लोग घबरा गए और दुकानदारों ने इसका विरोध शुरु किया। जब दुकानदारों ने सपेरे को दुकान से बाहर निकाला, तब गुस्से में आकर सांप को पास के चौराहे पर खड़ी एक महिला पुलिसकर्मी की ओर उछाल दिया। सांप को अपनी ओर आता देख महिला कॉन्स्टेबल घबराकर दौड़ने लगी। इसके बाद सांप एक अन्य पुलिसकर्मी की ओर बढ़ा, जो घबराकर अपनी बाइक से उतरा और दूर हट गया। घटना के दौरान मौजूद दुकानदारों ने बताया कि सपेरा नशे में था। जब लोगों ने वहां से भगाया, तब सपेरे ने नशे में धुत एक अन्य युवक को पकड़ा और उसके गले में सांप लपेट दिया। यह देखकर आसपास के लोग भी दुकानें छोड़कर बाहर आ गए। हालात बिगड़ते देखने पर सपेरा सांप को वापस पिटारे में बंद करके मौके से फरार हो गया।

ऑपरेशन मुस्कान-11 के तहत बाल श्रम से आजाद हुए 7,678 बच्चे

-केंद्रीय गृह मंत्रालय की राष्ट्रव्यापी पहल का हिस्सा

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में ऑपरेशन मुस्कान-11 के तहत जुलाई महीने में 7,678 बच्चों को मुक्त कराया गया, इसमें 6,000 से ज़्यादा बच्चे बाल श्रम में लिप्त थे। यह अभियान केंद्रीय गृह मंत्रालय की राष्ट्रव्यापी पहल का हिस्सा है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ) चारु सिन्हा ने बताया कि अभियान में 28 संभागीय टीमों को लगाया गया था। इन टीमों ने विभिन्न कारोबारी प्रतिष्ठानों, निर्माण स्थलों, यातायात जंक्शनों, बस और रेलवे स्टेशनों, धार्मिक स्थलों, ईंट भट्टों, मैकेनिक की दुकानों और चाय की दुकानों जैसे स्थानों का निरीक्षण किया, जहाँ बच्चों के शोषण का संदेह था।

ऑपरेशन मुस्कान-11 के तहत कुल 7,678 बच्चों को बचाया गया, जिसमें 7,149 लड़के और 529 लड़कियाँ शामिल हैं। इन बच्चों में 12 राज्यों के बच्चे शामिल थे, और नेपाल के 14 बच्चे भी मिले हैं, जो इस समस्या के सीमा पार होने का संकेत देता है। बचाए गए बच्चों में से 673 तेलंगाना के मूल निवासी थे, जबकि 560 अन्य राज्यों के थे। इस अभियान के दौरान 1,713 प्राथमिकी दर्ज की गईं और 1,718 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इतना ही नहीं 6,593 बच्चों को उनके परिवारों से मिलाया गया, जबकि 1,049 बच्चों को आश्रय गृहों में भेजा गया। अवैध बाल श्रम में लिप्त नियोक्ताओं के खिलाफ 55 प्राथमिकी दर्ज की गईं। 939 मामले दर्ज किए गए और उल्लंघनकर्ताओं पर 47,75,921 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

ट्रंप सरकार में हर रोज अमेरिका से 8 भारतीयों को वापस भेजा जा रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पद पर संभालते ही अमेरिका से भारतीय नागरिकों की वापसी (डिपोर्टेशन) में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया है। विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, साल 2025 के पहले सात महीनों में ही 1,703 भारतीयों को अमेरिका से जबरन भारत भेजा गया, यानी हर दिन औसतन आठ भारतीयों को डिपोर्ट किया गया। यह आंकड़ा बाइडेन सरकार और ट्रंप के पहले कार्यकाल के अंतिम वर्ष की तुलना में तीन गुना ज्यादा है। 2025 में डिपोर्ट किए गए 1,703 भारतीयों में से 90त्न केवल 5 राज्यों से हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे अधिक पंजाब से 620 फिर हरियाणा के 604, गुजरात के 245. उत्तर प्रदेश के 38 और गोवा के 26 लोग भारत वापस भेजे गए। अन्य राज्यों में यह संख्या काफी कम रही। जैसे कि महाराष्ट्र और दिल्ली से 20-20, तेलंगाना के 19, तमिलनाडु के 17, आंध्र प्रदेश व उत्तराखंड के 12-12 और कर्नाटक के मात्र 5 लोग वापस भेजे गए हैं। इन आंकड़ों देखते हुए विदेश मंत्रालय ने अमेरिका से अपील की है कि डिपोर्टेशन की प्रक्रिया मानवीय होनी चाहिए। मंत्रालय ने महिलाओं और बच्चों पर बेड़ियों के इस्तेमाल तथा धार्मिक-सांस्कृतिक संवेदनशीलता के उल्लंघन पर चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा, ÷हम अमेरिकी अधिकारियों के साथ संपर्क में हैं और अपेक्षा करते हैं कि भारतीय नागरिकों के साथ गरिमामयी व्यवहार किया जाए।

रिपोर्ट में विदेश मंत्रालयय के हवाले से कहा है कि 2025 में अब तक 1,703 भारतीयों को विभिन्न माध्यमों से डिपोर्ट किया गया, जिसमें से 864 लोग चार्टर्ड और सैन्य विमानों से वापस भेजे गए। फरवरी में 333 भारतीयों को तीन अलग-अलग तारीखों को अमेरिकी सीमा सुरक्षा बल ने भेजा। अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट ने मार्च और जून में 231 नागरिकों को चार्टर्ड फ्लाइट से भेजा। वहीं, डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी ने जुलाई में 300 लोगों को दो फ्लाइट्स से भारत भेजा। 747 भारतीयों की वापसी व्यावसायिक फ्लाइट्स के माध्यम से व्यक्तिगत या छोटे समूहों में हुई। पनामा से भी 72 लोगों की वापसी भी इसी दौरान हुई। ये अमेरिका में अवैध रूप से घुसने की कोशिश में पकड़े गए थे। डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने 2025 की शुरुआत से ही आव्रजन नीति को कड़ा करते हुए अवैध प्रवासियों और वीजा शर्तों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। 26 जून को अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि वीजा मिलने के बाद भी निगरानी जारी रहती है। नियमों का उल्लंघन करने पर वीजा रद्द कर डिपोर्ट किया जा सकता है। इसके साथ ही अमेरिकी सरकार ने चेतावनी दी है कि अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने पर गिरफ्तारी, डिपोर्टेशन और भविष्य में वीजा पर स्थायी प्रतिबंध लगेगा।

चुनाव आयोग का तेजस्वी को पलटवार, आंख खोलकर देख लो... सूची में अपना नाम

–बीजेपी का तंज, आपकी काबिलियत पर पूरे बिहार और हम सभी को शंका

पटना (एजेंसी)। राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने दावा किया कि उनका नाम इलेक्शन कमीशन द्वारा बिहार के लिए जारी ड्राफ्ट वोटर सूची में नहीं है। तेजस्वी ने कहा, मैंने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान गणना फॉर्म भरा था। लेकिन अब ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में मेरा नाम नहीं है। मैं आगामी विधानसभा चुनाव कैसे लड़ूंगा? तेजस्वी ने कहा कि उन्होंने आयोग के पोर्टल पर अपना ईसीआईपी इलेक्ट्रॉनिक इलेक्टोरल फोटो पहचान पत्र) नंबर आरएबी2916120 डालकर सर्च करने पर कोई रिकॉर्ड नहीं हैं ऐसा लिखा आ रहा है।

हालांकि, चुनाव आयोग ने तेजस्वी के दावे का फैक्ट चेक कर बताया कि ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में उनका नाम शामिल है। आयोग ने इसके लिए बाकयदा मतदाता सूची का वह प्रारूप भी जारी किया है, जिसमें तेजस्वी की फोटो के साथ उनका नाम, उम्र, पिता का नाम, मकान संख्या दर्ज है। राजद नेता के आरोपों पर चुनाव आयोग ने फौरन डेटा शेयर कर कहा, तेजस्वी ने आरोप लगाया कि उनका नाम वोटर लिस्ट से काट दिया गया है। हमारे द्वारा लिस्ट शेयर की है और उनसे अनुरोध कर रहे हैं कि वे ध्यान से अपना नाम देख लें। आयोग ने जो रिकॉर्ड

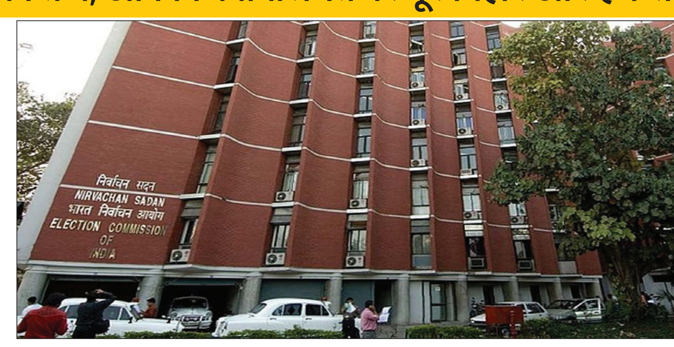

शेयर किया उसमें तेजस्वी यादव का ईसीआईपी नंबर आरएबी 0456228 था। आयोग द्वारा शेयर किए गए ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में तेजस्वी यादव का नाम सीरियल नंबर 416 पर दर्ज दिखाई दिया।

तेजस्वी के दावे का आयोग द्वारा फैक्ट चेक होने के बाद बीजेपी नेता और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने उन पर तंज कसा है। उन्होंने कहा, तेजस्वी आपकी योग्यता पर मुझे ही नहीं, आपके परिवार और पूरे बिहार को भी शंका है। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में अपना नाम खोजना आपके लिए बहुत मुश्किल लग रहा होगा। आपका नाम ससम्मान पिताजी के साथ दर्ज है, आप देख सकते हैं। भ्रामक और फर्जीवाड़े की दुकानदारी बंद करे। राजद का भ्रम और डर दोनों बार-बार बोगस साबित हो रहा है।

चुनाव आयोग के मुताबिक बिहार में एसआईआर प्रक्रिया 1 सितंबर, 2025 को फाइनल वोटर सूची प्रकाशित होने के साथ समाप्त होगी। यानी जो ड्राफ्ट वोटर लिस्ट आयोग ने अपनी वेबसाइट पर अपलोड की है, वह फाइनल नहीं है। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने आश्वासन दिया है कि बिहार के सभी मतदाताओं और राजनीतिक दलों को संशोधित वोटर लिस्ट पर 1 अगस्त से 1 सितंबर तक दावे और आपत्तियां देने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

सीईसी ने कहा कि बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) और सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक निबंधन अधिकारी (ईआरओएस) राज्य में मतदाताओं या किसी भी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को 1 अगस्त से 1 सितंबर तक आगे आकर ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने और हटाने तथा मतदाताओं से जुड़ी जानकारी में सुधार के लिए दावे और आपत्तियां देने के लिए आमंत्रित करेगा। अगर तेजस्वी यादव का नाम सही में वोटर लिस्ट में नहीं होता, तब भी उन्हें इस गलती को ठीक कराने के लिए दो महीने का समय मिलता। बिहार में 24 जून से शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया के बाद अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी। चुनाव आयोग ने 27 जुलाई को बताया था कि बिहार में मतदाता सूची में पंजीकृत 91.69 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने गणना फॉर्म जमा कर दिए हैं और 1 अगस्त को प्रकाशित होने वाले ड्राफ्ट में उनका नाम शामिल होगा। चुनाव आयोग ने कहा कि 24 जून, 2025 तक 7.89 करोड़ मतदाताओं में से 7.24 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं ने गणना फॉर्म जमा कर दिए थे, जो एसआईआर प्रक्रिया में लोगों की भारी भागीदारी का संकेत है। इसका मतलब है कि 65 लाख मतदाताओं के नाम 1 अगस्त की मसौदा सूची में शामिल नहीं होगा। चुनाव आयोग ने कहा कि मतदाता सूची में नाम न होने के कारणों में मतदाता की मृत्यु, स्थायी स्थानांतरण और एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत होना शामिल है।

जम्मू-कश्मीर में केंद्र की नीति पूरी तरह विफल, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती का भाजपा पर भाजपा पर निशाना

श्रीनगर (एजेंसी)। अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण की छठी वर्षगांठ से पहले, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर कड़ा हमला बोलते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा छीनने की नीति पूरी तरह विफल हो गई है। शनिवार को जम्मू में पत्रकारों को संबोधित करते हुए, मुफ्ती ने कहा कि 5 अगस्त, 2019 को पूरे छह साल बीत चुके हैं। उस समय, जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा छीन लिया गया था और अनुच्छेद 370 को इस दावे के साथ रद्द कर दिया गया था कि जम्मू-कश्मीर में सब कुछ ठीक हो जाएगा। लेकिन हमने देखा है कि यह नीति पूरी तरह विफल रही है।

मुफ़्ती ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में आंतरिक स्थिति सुधरने के बजाय और बिगड़ गई है, और उन्होंने सुरक्षा बलों की लगातार हो रही कार्रवाई की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आंतरिक स्थिति खराब है। पिछले छह सालों से रोज़ाना गिरफ़्तारियाँ हो रही हैं। जम्मू-कश्मीर में हालात पहले से भी बदतर हो गए हैं, हालाँकि आज लोग चुप हैं। यही वजह है कि हमारा देश पाकिस्तान से

टकराव की स्थिति में आ गया है। पाकिस्तान की हैसियत क्या है? उनकी अर्थव्यवस्था हमारी अर्थव्यवस्था का दसवाँ हिस्सा भी नहीं है, फिर भी आज पूरी दुनिया हमारी तुलना उनसे कर रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा की आक्रामक नीति और क्षेत्रीय कूटनीति पर इसके व्यापक प्रभाव की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से, भाजपा ने देश में ऐसा माहौल बना दिया है कि आज सभी समूह कह रहे हैं, आप युद्धविराम पर क्यों सहमत हुए? यह भाजपा की आक्रामक नीति है। अगस्त 2019 में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया, जिससे जम्मू और कश्मीर को दिया गया विशेष दर्जा प्रभावी रूप से समाप्त हो गया और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों - जम्मू और कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया गया।अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्गठित करने के बाद से जम्मू और कश्मीर में क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की ओर से राज्य का दर्जा बहाल करना एक प्रमुख मांग रही है।

अब पश्चिम बंगाल में होगा वोटर लिस्ट में सुधार, सियासी हलचल हुई शुरु

कोलकाता (एजेंसी)। बिहार में वोटर लिस्ट सुधार को लेकर चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर विवादों के बाद अब पश्चिम बंगाल में भी सियासी पारा चढ़ने के आसार हैं। मुख्य चुनाव अधिकारी का यह निर्देश ऐसे समय आया है, जब राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं और चुनावी तैयारियों को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो चुकी है। अब सवाल उठ रहा है कि क्या बिहार की तरह बंगाल में भी चुनाव आयोग की इस कार्रवाई से सियासी बवाल मचने वाला है?

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज अग्रवाल ने शुक्रवार को सभी राजनीतिक दलों को पत्र लिखकर अपने-अपने बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) की लिस्ट जल्द भेजने को कहा है, जिससे मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू की जा सके। चुनाव आयोग के नए निर्देशों के अनुसार, किसी भी वोटर का नाम वोटर लिस्ट से हटाने से पहले संबंधित बूथ लेवल एजेंट की सहमति अनिवार्य होगी। यानी अब कोई भी नाम मनमाने ढंग से

सूची से हटाया नहीं जा सकेगा। यह फैसला मतदाता सूची में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। पिछले कुछ चुनावों में टीएमसी और चुनाव आयोग के बीच तनातनी के कई उदाहरण सामने आए हैं। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस नई प्रक्रिया को किस तरह लेती हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बिहार की तर्ज पर पश्चिम बंगाल में भी अब मतदाता सूची पर राजनीतिक टकराव तेज हो सकता है। खासकर तब जब ममता बनर्जी सरकार अक्सर चुनाव आयोग पर तटस्थता को लेकर सवाल उठाती रही है। टीएमसी पहले ही आरोप लगाती रही है कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है और इस तरह के फैसले बंगाल में राजनीतिक संतुलन को बिगाड़ सकते हैं। माना जा रहा है कि पश्चिम बंगाल में बूथों की कुल संख्या 80,000 से बढ़कर 1 लाख से अधिक हो सकती है। इसका मतलब यह है कि अब राजनीतिक दलों को हर नए बूथ के लिए भी एक स्थानीय मतदाता को बीएलए के तौर पर नियुक्त करना होगा, जो न सिर्फ चुनावी प्रबंधन बल्कि नाम हटाने या जोड़ने जैसे कामों पर भी नजर रखेगा। इस प्रक्रिया से टीएमसी समेत सभी दलों पर अतिरिक्त प्रशासनिक दबाव बनेगा, क्योंकि बीएलए वही व्यक्ति हो सकता है जो उस बूथ का रजिस्टर्ड वोटर हो। इससे न केवल मानव संसाधन की चुनौती बढ़ेगी बल्कि बूथ लेवल पर राजनीतिक मुकाबला भी और तीखा हो सकता है। चुनाव आयोग के इस फैसले से बंगाल की राजनीति में नई खींचतान की शुरुआत हो सकती है। अब ममता बनर्जी के लिए यह चुनौतीपूर्ण वक्त है कि वह कैसे अपने संगठन को तेजी से पुनर्गठित करती हैं और नए बूथ लेवल एजेंट्स की नियुक्ति सुनिश्चित करती हैं। साथ ही यह भी देखना होगा कि क्या यह प्रक्रिया निष्पक्ष ढंग से आगे बढ़ती है या राजनीतिक विवादों में उलझ जाती है।

ऐसा ही चलता रहा तो एक दिन हिमाचल प्रदेश नक्शे से गायब हो जाएगा

–सुप्रीम कोर्ट ने कहा– आपदाओं के लिए प्रकृति नहीं, बल्कि इंसान जिम्मेदार

नई दिल्ली(एजेंसी)। बारिश के मौसम में पहाड़ी राज्यों में पर्यटकों की भीड़भाड़ उमड़ रही है। पहाड़ों में ज्यादातर टूरिस्ट स्पॉट्स पर सालभर लोग नजर आते हैं। बढ़ते पर्यटकों के बोझ का असर पहाड़ी राज्यों पर पड़ रहा है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश को लेकर एक अहम टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार से कहा है कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो एक दिन हिमाचल प्रदेश देश के नक्शे से गायब हो जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों को याद दिलाते हुए कहा कि सिर्फ टैक्स वसूलना पर्यावरण के मुद्दे से ऊपर नहीं हो सकता। कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश में बेरोकटोक तेजी से हो रहे निर्माण और पर्यटकों की बढ़ती तादाद पर चिंता जताई। इस मामले में जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेव की पीठ ने सुनवाई की। पीठ ने कहा कि पिछले कुछ सालों में राज्य ने कई प्राकृतिक आपदाएं झेली हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बाढ़, पहाड़ों और जमीन के लगातार खिसकने, घरों और इमारतों के ढहने के लिए प्रकृति नहीं, बल्कि इंसान जिम्मेदार हैं। इन घटनाओं में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है, लेकिन इसके लिए प्रकृति को दोष देना ठीक नहीं है। केंद्र और राज्य सरकार को तत्काल हस्तक्षेप करके इसे रोकना चाहिए। कोर्ट ने आगे कहा कि प्रकृति ने हिमाचल प्रदेश को प्रचुर सौंदर्य दिया है। इसका फायदा उठाकर सरकार ने इसे पर्यटन स्थल के रूप में प्रचारित किया और अब फोर लेन वाली सड़कों का निर्माण किया जा रहा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक इन सड़कों के निर्माण के लिए पहाड़ काटे जा रहे हैं। इसके लिए भारी मशीनरी और विस्फोटक सामग्री का इस्तेमाल हो रहा है। इससे प्राकृतिक संतुलन बिगड़ने लगा है। कोर्ट ने कहा कि हम राज्य सरकार और भारत संघ को यह समझाना चाहते हैं कि राजस्व कमाना ही सब कुछ नहीं है। पर्यावरण और पारिस्थितिकी की कीमत पर राजस्व नहीं कमाया जा सकता। अगर हालात आज की तरह ही चलते रहे, तो वह दिन दूर नहीं जब पूरा हिमाचल हवा में साफ हो जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों पर गाज, पाक कोर्ट ने सुनाई करीब 200 लोगों को 10-10 साल की सजा

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को पंजाब प्रांत में नौ मई, 2023 को आईएसआई भवन और अन्य सैन्य प्रतिष्ठानों पर हुए हमले के सिलसिले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के कुछ सांसदों सहित 166 सदस्यों को 10-10 साल की सजा सुनाई है। खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेताओं को सजा सुनाए जाने की खबर देश भर में पांच अगस्त से प्रस्तावित 'फ्री इमरान खान मूवमेंट' के शुरू होने से ठीक एक सप्ताह पहले आई है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने फैसलाबाद आतंकवाद निरोधक अदालत (एटीसी) के फैसले की कड़ी निंदा की है और इसे संसद से उसके सांसदों को अयोग्य ठहराने तथा पार्टी को शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन करने से रोकने की साजिश का हिस्सा बताया है। अदालत ने बृहस्पतिवार को फैसलाबाद में आईएसआई भवन पर हमले के मामले में 185 आरोपियों में से 108 को दोषी ठहराया और शेष 77 को बरी कर दिया। फैसलाबाद में एक पुलिस थाने पर हमले से संबंधित मामले में 58 आरोपियों को 10-10 साल की कैद की सजा सुनाई गई है। अदालत ने नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता उमर अयूब, सीनेट में विपक्ष के नेता शिबली फराज तथा पीटीआई के प्रमुख नेता जरताज गुल और साहिबजादा हामिद रजा को 10-10 साल की सजा सुनाई। दोषियों में नेशनल असेंबली के छह सदस्य, पंजाब विधानसभा का एक सदस्य और एक सांसद शामिल हैं। नौ मई की घटना के मुकदमों में अब तक इमरान खान की पार्टी के 14 सांसदों को दोषी ठहराया गया है और पद से अयोग्य घोषित किया गया है। पार्टी के अंतरिम चेयरमैन गौहर अली ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ इस फैसले को लाहौर उच्च न्यायालय में चुनौती देगी।

वेटिकन बनेगा दुनिया का पहला कार्बन तटस्थ देश

वेटिकन सिटी, एजेंसी। वेटिकन सिटी रोम के उत्तर में मौजूद 430 हेक्टेयर (एक हजार एकड़) भूमि पर सौर ऊर्जा फार्म विकसित करने की योजना बना रहा है। इस फार्म से वेटिकन सिटी को उम्मीद है कि वे अपनी जरूरत के लिए पर्याप्त बिजली का उत्पादन कर पाएंगे और वेटिकन सिटी दुनिया का पहला कार्बन-तटस्थ देश बन जाएगा। जिस जगह सौलर फार्म विकसित किया जाना है, वह जगह इटली और वेटिकन सिटी के बीच विवाद का कारण रही थी। हालांकि अब दोनों देशों में इसे लेकर समझौता हो गया है। समझौते के तहत वेटिकन सिटी सौर ऊर्जा फार्म के लिए इस्तेमाल की जाने वाली जमीन में कृषि उपयोग संरक्षित रखेगा। वेटिकन को सौर पैनल आयात करने के लिए इतालवी करों का भुगतान करने से छूट मिलेगी, लेकिन उसे उन वित्तीय प्रोत्साहनों का लाभ नहीं मिलेगा जो इतालवी लोगों को सौर ऊर्जा अपनाने पर मिलता है। था। वेटिकन के अधिकारियों का अनुमान है कि सौर फार्म विकसित करने में 10 करोड़ यूरो (11.4 करोड़ डॉलर) की लागत आएगी, और इतालवी संसद द्वारा इसे मंजूरी मिलने के बाद, इस काम के लिए अनुबंधों की बोली लगाई जाएगी।

न्यूयॉर्क और न्यूजर्सी में भारी बारिश से बाढ़, इमरजेंसी लागू

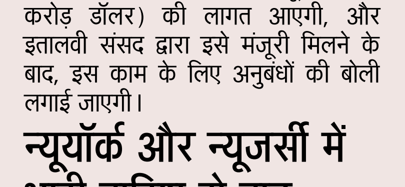

वॉशिंगटन डी सी, एजेंसी। अमेरिका के पूर्वी तट पर गुरुवार को तेज तूफान और भारी बारिश से बाढ़ आ गई। जिसके कारण न्यूयॉर्क शहर और न्यू जर्सी में इमरजेंसी की घोषणा करनी पड़ी। तूफान का असर न्यूयॉर्क से वाशिंगटन डीसी तक दिखा। मौसम विभाग के अनुसार, कुछ इलाकों में एक घंटे में 3 इंच (7.6 सेमी) तक बारिश हुई, जिससे नाले और नदियां उफान पर आ गईं। न्यूयॉर्क में मेट्रो स्टेशनों में पानी भर गया। स्टेशन में दीवारों से पानी रिसता दिखा। भारी बारिश के कारण पटरियां पानी में डूब गई जिससे कई ट्रेनें और यात्री फंस गए। रेस्क्यू टीम ने यात्रियों को बचाया। सड़कों पर पानी भरने से कई गाड़ियां डूब गईं, और एक्सप्रेसवे बंद करना पड़ा। वहीं न्यू जर्सी में 14 हजार से ज्यादा लोग 24 घंटे बिना बिजली के रहे। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने शहर और आसपास के इलाकों में आपातकाल की घोषणा की है। शुक्रवार तक और बारिश की आशंका है। प्रशासन ने लोगों को यात्रा न करने और बाढ़ से बचने की सलाह दी है। 16 जुलाई को न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में भारी बारिश से बाढ़ आई थी, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई थी। भारी बारिश का कारण मौसम में बड़ा बदलाव बताया जा रहा है।

फिर लोकतंत्र की पटरी पर लौटेगा पड़ोसी देश म्यांमार इमरजेंसी खत्म, इस साल दिसंबर तक होंगे चुनाव

यांगून, एजेंसी। पूर्वी पड़ोसी देश म्यांमार के सैन्य शासक वरिष्ठ जनरल मिन आंग हलेंग ने देश में आपातकाल खत्म करने की घोषणा की है। इसके साथ ही जुंटा शासन ने वहां नयी संघीय सरकार और राज्य सुरक्षा एवं शांति आयोग का गठन किया है। ताकि अगले छह महीने के अंदर चुनाव कराया जा सके। सैन्य शासक,हलेंग ने गुरुवार (स्थानीय समय) को इस बारे में घोषणा की कि अक्टूबर 2024 में होने वाली राष्ट्रव्यापी जनगणना पूरी होते ही इस साल के अंत तक यानी दिसंबर 2025 तक राष्ट्रीय चुनाव होंगे।

जुंटा शासन की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर एक टेलीविजन संबोधन में मिन आंग हलेंग ने कहा कि मतदान जनगणना पूरी होने के बाद होगा। इसके साथ ही उन्होंने देश में बहुदलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यह घोषणा फरवरी 2021 में आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार से सेना द्वारा सत्ता हथियाने के तीन साल से भी अधिक समय बाद हुई है।

तख्तापलट के बाद होगा पहला चुनाव

2021 में हुए तख्तापलट के बाद यह पहला चुनाव होगा। तख्तापलट ने म्यांमार को गृहयुद्ध और अराजकता में धकेल दिया है। इस वजह से संदेह पैदा हो रहा है कि क्या विश्वसनीय मतदान हो पाएगा। बहरहाल, म्यांमार के अधिकारियों ने भी घोषणा की है कि चुनाव दिसंबर 2025 में होंगे, हालाँकि, इसके लिए सटीक तारीख

अभी तय नहीं हुई है।

सैन्य शासक अब बन गए राष्ट्रपति इस बीच, वरिष्ठ जनरल मिन आंग हलेंग ने अब भंग हो चुकी राज्य प्रशासन परिषद के प्रमुख और प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। हालाँकि, अब वे एक नई व्यवस्था के तहत व्यापक शक्तियों के साथ कार्यवाहक राष्ट्रपति बन गए हैं, जिससे उनका प्रमुख राजनीतिक प्रभाव बरकरार रहेगा। राष्ट्रीय स्वामित्व वाली म्यांमार रेडियो और टेलिविजन की रिपोर्ट के अनुसार अब यू न्यो साव संघीय सरकार में प्रधानमंत्री होंगे और वरिष्ठ जनरल मिन आंग हलेंग सुरक्षा और शांति आयोग के अध्यक्ष होंगे।रिपोर्ट में बताया गया है कि रक्षा सेवाओं के कमांडर-इन-चीफ को संप्रभु शक्तियाँ हस्तांतरित करने का निर्णय भी रद्द कर दिया है।

31 जुलाई तक रहा आपातकाल

फरवरी 2021 में तख्तापलट के बाद तब के कार्यवाहक राष्ट्रपति यू मियंट स्वे ने म्यांमार में एक साल के लिए आपातकाल की घोषणा की थी और संप्रभु शक्तियों को रक्षा सेवा के कमांडर-इन-चीफ को स्थांतरित कर दिया था। कमांडर-इन-चीफ ने बाद में राज्य प्रशासन परिषद का गठन किया और मिन आंग हलेंग इसके अध्यक्ष नियुक्त हुए। एनडीसी ने इस साल 31 जुलाई तक कई बार छह -छह माह के लिए आपातकाल का विस्तार किया है।

शेख हसीना और 99 अन्य पर जमीन घोटाले के 6 मामलों में आरोप तय

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की दो अलग-अलग अदालतों ने बृहस्पतिवार को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और 99 अन्य के खिलाफ एक आवास परियोजना में जमीन आवंटन में अनियमितताओं के छह मामलों में आरोप तय किए। इन छह मामलों में से ढाका विशेष न्यायाधीश कोर्ट-4 के जज रबीउल आलम ने तीन मामलों में आरोप तय किए। अदालत ने इन मामलों में गवाही दर्ज करने के लिए 13 अगस्त की तारीख तय की और आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए।

इसी तरह ढाका विशेष न्यायाधीश कोर्ट-5 के जज मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने भी तीन मामलों में आरोप तय किए । बांग्लादेश की सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) के सरकारी वकील मीर अहमद अली सलाम के हवाले से बताया कि आयोग ने आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है और मामलों में गवाही दर्ज करने के लिए 11 अगस्त की तारीख तय की है। गौर हो कि पिछले सप्ताह दोनों अदालतों ने राजुक पूर्वाचल न्यू टाउन परियोजना में भूखंडों के आवंटन में अनियमितताओं से जुड़े छह मामलों में आरोप-पत्र दाखिल करने के लिए 31 जुलाई की तारीख तय की थी।

20 करोड़ डॉलर की लागत से बनेगा व्हाइट हाउस स्टेट बॉलरूम, 650 लोगों के बैठने की होगी क्षमता

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के व्हाइट हाउस में अब एक नया और बड़ा बॉलरूम बनाया जाएगा। व्हाइट हाउस ने बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को इसकी घोषणा की। इसका नाम व्हाइट हाउस स्टेट बॉलरूम होगा। इसका क्षेत्रफल करीब 90,000 वर्ग फीट होगा और इसमें 650 लोगों के बैठने की क्षमता होगी। अभी व्हाइट हाउस के ईस्ट रूम में केवल 200 लोगों के बैठने की जगह है। व्हाइट हाउस ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि 150 वर्षों से राष्ट्रपति, प्रशासन और व्हाइट हाउस के कर्मचारी व्हाइट हाउस परिसर में एक ऐसे बड़े आयोजन स्थल की जरूरत महसूस कर रहे थे, जिसमें वर्तमान में अनुमत संख्या से कहीं अधिक अतिथियों को समायोजित किया जा सके। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस जरूरत को समझते हुए इसे पूरा करने का वादा किया है। अभी बड़े समारोहों की मेजबानी करने में असमर्थ व्हाइट हाउस बयान में कहा गया कि व्हाइट हाउस दुनिया की सबसे खूबसूरत और ऐतिहासिक इमारतों में से एक है, फिर भी व्हाइट हाउस वर्तमान में विश्व नेताओं और अन्य देशों के सम्मान में आयोजित होने वाले बड़े समारोहों की मेजबानी करने में असमर्थ है, क्योंकि इसके लिए उसे मुख्य भवन के प्रवेश द्वार से लगभग 100 गज दूर एक बड़ा तंबू लगाना पड़ता है। इसलिए अब यह नया बॉलरूम बनाया जा रहा है, जो सुंदर और सोच-समझकर डिजाइन किया गया है। ट्रंप ने हाल ही में डिजाइन को लेकर कई बैठकें कीं बयान में कहा गया है कि हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप ने इस बॉलरूम के डिजाइन और योजना पर चर्चा करने के लिए कई बैठकें कीं। इसमें व्हाइट स्टाफ, राष्ट्रीय उद्यान सेवा, व्हाइट हाउस सैन्य कार्यालय और सीक्रेट सर्विस के लोग शामिल थे।

ट्रंप ने कनाडा पर लगाया 35 प्रतिशत टैरिफ, ड्रग तस्करी पर रोक नहीं लगाने से अमेरिकी राष्ट्रपति नाराज

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने कनाडा पर 35 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि कनाडा से आने वाले सामान पर अब 35 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति कनाडा से होने वाली ड्रग तस्करी को लेकर नाराज हैं। ऐसे में ट्रंप ने अवैध ड्रग्स पर सहयोग की कमी का हवाला देते हुए कनाडा से आने वाले सामानों पर 35 प्रतिशत टैरिफ लगाने का आदेश दिया। नया टैरिफ शुक्रवार से प्रभावी है। इससे पहले ट्रंप ने कनाडा पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, जिसे बढ़ाकर अब 35 प्रतिशत कर दिया गया है। व्हाइट हाउस की ओर से गुरुवार देर रात की गई घोषणा में कहा गया कि कनाडा, तस्करों, अपराधियों और अवैध ड्रग्स की तस्करी, जब्ती और रोकथाम के लिए पर्याप्त कदम उठाने में विफल रहा है। ट्रंप ने पहले धमकी दी थी कि अगर शुक्रवार तक कोई समझौता नहीं हुआ, तो वह कनाडा पर और भी ज्यादा टैरिफ लगा देंगे। कनाडा को ट्रंप द्वारा गुरुवार देर रात जारी की गई टैरिफ दरों की सूची में शामिल नहीं किया गया था। ये आयात शुल्क 7 अगस्त से लागू होने वाले हैं। कार्यकारी आदेश में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार और सुरक्षा समझौते करने के लिए कुछ व्यापारिक साझेदार देश सहमत हो गए हैं।

भारतीय हाई कमिश्नर ने साइप्रस के पर्यटन मंत्री से की मुलाकात, सीधी उड़ान को लेकर हुई बात

निकोसिया , एजेंसी। भारत और साइप्रस के बीच रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। इसी कड़ी में भारत के हाई कमिश्नर (उच्चायुक्त) मनीष ने निकोसिया में साइप्रस के उप पर्यटन मंत्री कोस्टास कूमिस से मुलाकात की। इस बैठक का उद्देश्य दोनों देशों के बीच पर्यटन सहयोग को और बढ़ाना था। बैठक में दोनों पक्षों ने विशेष पर्यटन पहलों के माध्यम से सहयोग के नए अवसरों पर चर्चा की। साथ ही यह भी विचार किया गया कि दोनों देशों के बीच सीधी उड़ान सेवाएं शुरू करने के लिए एयरलाइंस को किस तरह से जोड़ा जा सकता है।

इस बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि दोनों देशों के बीच संपर्क को और गहरा किया जाएगा। सांस्कृतिक आदान-प्रदान और ऐतिहासिक विरासत के माध्यम से रिश्तों को और मजबूत करने की दिशा में गंभीर चर्चा हुई।

भारत के साइप्रस स्थित उच्चायोग ने अपने एक्स पोस्ट में जानकारी दी, उच्चायुक्त मनीष ने साइप्रस के उप पर्यटन मंत्री कोस्टास कूमिस से मुलाकात की और पर्यटन सहयोग को बढ़ाने के लिए विशेष पहलों पर चर्चा की। दोनों देशों के बीच सीधी उड़ान सेवा शुरू करने की संभावनाओं पर भी बातचीत हुई।

पोस्ट में आगे कहा गया, भारत और साइप्रस के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी के बीच, इस बैठक में द्विपक्षीय पर्यटन को बढ़ावा देने, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और फिल्म निर्माण में

संभावित सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में दोनों देशों के बीच लोगों के स्तर पर रिश्तों को मजबूत करने, आपसी पहचान को बढ़ावा देने और ऐतिहासिक संवाद के माध्यम से रिश्तों को गहरा करने की प्रतिबद्धता दिखाई दी। जून महीने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साइप्रस की यात्रा के दौरान वहां के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडूलाइड्स से विस्तृत बातचीत की थी। इस बातचीत में द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई।

साथ ही दोनों नेताओं ने पर्यटन बढ़ाने और भारत-साइप्रस के बीच सीधी हवाई सेवा की संभावनाओं पर भी बात की थी। दोनों पक्षों ने सांस्कृतिक और जन-जन के संपर्क को बढ़ावा देने को विशेष महत्व दिया। साथ ही 2025 के अंत तक मोबिलिटी पायलट प्रोग्राम अरेंजमेंट को अंतिम रूप देने पर सहमति बनी।

हार्टअटैक से ही हुई हल्क होगन की मौत, फ्लोरिडा के मेडिकल परीक्षक की रिपोर्ट हुई पुष्टि

फ्लोरिडा , एजेंसी। महान अमेरिकी रेसलर हल्क होगन की पिछले सप्ताह हार्टअटैक से ही मौत हुई थी। इस बात की पुष्टि फ्लोरिडा के मेडिकल परीक्षक की बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को जारी रिपोर्ट में हुई है।

मेडिकल परीक्षक की रिपोर्ट के अनुसार, जब हल्क होगन की मौत हुई, तब वह 71 साल के थे और उनका असली नाम टेरी बोलिया था। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें पहले से ही ब्लड कैंसर (ल्यूकेमिया) और दिल की धड़कन की बीमारी (एट्रियल फिब्रिलेशन) थी।

गवर्नर ने सम्मान में शुक्रवार को हल्क होगन दिवस घोषित किया

फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने उन्हें सम्मान देने के लिए शुक्रवार को हल्क होगन दिवस घोषित किया है। इस दिन फ्लोरिडा के सभी सरकारी भवनों पर झंडे आधे झुकाए जाएंगे। रिपब्लिकन गवर्नर ने कहा कि हल्क होगन एक सच्चे फ्लोरिडावासी थे।

90 मिनट से भी कम समय में अस्पताल में मृत घोषित किया पुलिस के मुताबिक, 24 जुलाई की सुबह जब उन्हें दिल का दौरा पड़ा, तो डॉक्टर क्लियरवॉटर स्थित उनके घर पहुंचे। लेकिन 90 मिनट से भी कम समय में उन्हें अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि मौत स्वाभाविक कारणों से हुई। हल्क होगन की पत्नी स्काई डेली ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्हें उम्मीद थी कि होगन अपनी बीमारियों से उबर जाएंगे, लेकिन यह सब अचानक हो गया। उन्होंने कहा, दुनिया के लिए वह एक सुपरस्टार थे, लेकिन मेरे लिए वह मेरे टेरी थे। डब्ल्यूडब्ल्यूई के बड़े सितारों में से एक थे हल्क होगन हल्क होगन डब्ल्यूडब्ल्यूई के सबसे बड़े सितारों में से एक माने जाते थे। 1985 में पहले रेसलमेनिया में वह मुख्य आकर्षण थे और उन्होंने कई बड़े पहलवानों से मुकाबला किया था- जैसे आंद्रे द जाइंट, द रॉक, और विंस मैकमोहन। उनकी बेटी ब्रुक बोलिया ओलेक्सी, जिन्हें ब्रुक होगन के नाम से जाना जाता है, ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपने पिता को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, मैं बहुत आभारी हूं कि मैं उनके असली रूप को जानती थी। सिर्फ उस रूप को नहीं जिसे दुनिया ने एक खास नजरिये से देखा। होगन के अंतिम संस्कार की योजना अभी तक सार्वजनिक रूप से घोषित नहीं की गई है।

इजरायल के भी सगे नहीं रहे डोनाल्ड ट्रंप, लगा दिया 15 पर्सेंट टैरिफ

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत कुल 92 व्यापारिक साझेदार देशों पर टैरिफ लगाया गया है। इन देशों पर 10 से 41 फीसदी तक टैरिफ लगाया गया है। ट्रंप ने अपने इस कार्यकारी आदेश के जरिए उस कहावत को भी चरितार्थ किया है कि बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया.. और इसी क्रम में ट्रंप ने अपने दोस्त नेतन्याहू को भी नहीं बख्शा। अमेरिका ने नई व्यापार नीति के तहत इजरायल पर 15प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला किया है। वाइट हाउस ने घोषणा की है कि ट्रम्प प्रशासन की नई व्यापार नीति के तहत इजरायल से आने वाले सामानों पर 15 फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा। इससे पहले अप्रैल में लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ में इजरायल पर दो फीसदी ज्यादा यानी कुल 17 फीसदी का टैरिफ लगाया गया था। नए आदेश में सीरिया पर 41प्रतिशत तक टैरिफ लगाया गया है, जबकि दक्षिण अफ्रीका पर 30प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। इसके अलावा, कनाडा से आने वाले सामानों पर मौजूदा टैरिफ 25प्रतिशत को बढ़ाकर 35प्रतिशत कर दिया गया है।

पाकिस्तान पर 19प्रतिशत टैरिफ : आदेश में कहा गया है कि धरती पर मौजूद हर देश से अमेरिका में आयातित वस्तुओं पर कम से कम

10प्रतिशत टैरिफ तो लगाया ही जाएगा। द गार्डियन की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका की तरफ से जारी नई लिस्ट में कुल 92 देश शामिल हैं, जो उच्च टैरिफ रेट के अधीन हैं। ट्रंप ने पहले अफ्रीकी देश लेसोथो पर 50प्रतिशत टैरिफ की लगाने की धमकी दी थी लेकिन इस देश से आने वाले सामानों पर 15प्रतिशत टैरिफ ही लगाया गया है। इनके अलावा ताइवान पर 20प्रतिशत, पाकिस्तान पर 19प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। 15 फीसदी के टैरिफ दायरे में इजरायल के अलावा और जो देश हैं, उनमें आइसलैंड, फिजी, घाना, गुयाना, इक्वाडोर, वेनेजुएला,दक्षिण कोरिया, तुर्की, अंगोला, बोत्सवाना, कैनरुन, चाड, कांगो, जापान, जॉर्डन, मेडागास्कर, मलावी, मॉरीशस. वनातु, जिम्बाव्वे और जाम्बिया आदि शामिल हैं।

रूस ने कीव पर रातभर दागे ड्रोन और मिसाइलें, 13 लोगों की मौत, 130 से ज्यादा घायल

कीव, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर बुधवार रातभर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। इस हमले में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि मरने वालों में एक छह साल का बच्चा भी शामिल है। इसके अलावा, हमले में 132 लोग घायल भी हुए हैं। यूक्रेन की आपातकालीन सेवा के मुताबिक, घायल लोगों में 14 बच्चे भी शामिल हैं, जिनमें एक पांच महीने की बच्ची भी है। सार्वजनिक रिकॉर्ड के अनुसार, रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से ये अब तक का सबसे बड़ा हमला है, जिसमें एक साथ इतने बच्चे घायल हुए हैं। हमले में नौ मंजिला इमारत का हिस्सा ढहा कीव के सैन्य प्रशासन प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने बताया कि हमले में एक नौ मंजिला इमारत का एक बड़ा हिस्सा ढह गया है। बचाव दल मलबे में दबे लोगों को निकालने में लगे हुए हैं। वहीं, क्षतिग्रस्त इमारत में रहने वाली 35 वर्षीय याना झाबोरोवा ने बताया कि तेज धमाकों की आवाज से उनकी नींद खुल गई। उन्होंने देखा कि हमलों की वजह से घर के दरवाजे और खिड़कियां टूट गईं। पांच महीने के शिशु और पांच साल के बच्चे की मां झाबोरोवा ने कहा, यह सिर्फ तनाव और सदमा है, कुछ भी नहीं बचा है। कीव में 100 से ज्यादा इमारतें क्षतिग्रस्त तकाचेंको ने बताया कि कीव में कम से कम 27 जगहों पर हमला हुआ है, जिसमें सोलोमिंस्क्यी और स्वियातोशिनस्क्यी जिलों में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। उन्होंने बताया कि कीव में 100 से ज्यादा इमरातें

क्षतिग्रस्त हो गईं, जिनमें घर, स्कूल, किंडरगार्टन, चिकित्सा केंद्र और विश्वविद्याल शामिल हैं। रूस ने रातभर में 309 ड्रोन और 8 क्रूज मिसाइलें दागीं यूक्रेन की वायु सेना ने बताया कि रूस ने रातभर में कुल 309 ड्रोन और 8 क्रूज मिसाइलें दागीं। इनमें से यूक्रेनी सेना ने 288 ड्रोन और तीन मिसाइलों को रोक दिया। लेकिन पांच मिसाइलें और 21 ड्रोन अपने लक्ष्य तक पहुंचने में सफल रहे। डेनेट्स्क क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख वादिम फिलाश्किन के अनुसार, रूसी सैनिकों ने पूर्वी यूक्रेनी शहर क्रामाटोर्स्क में एक पांच मंजिला आवासीय इमारत पर भी हमला किया। उन्होंने कहा कि हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम 11 अन्य घायल हो गए।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौर्या (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में भ्रूण परीक्षण करने वाले दो अस्पताल पकड़े गए
स्वास्थ्य विभाग ने गुप्त सूचना के आधार पर की कार्रवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

देश और दुनिया भर में महिला समानता और सशक्तिकरण की बातें की जाती हैं, लेकिन आज भी एक वर्ग ऐसा है जो बेटी के जन्म को “अभिशाप” मानता है। इसी मानसिकता के चलते कुछ लोग यह जानने के लिए अवैध रूप से भ्रूण परीक्षण करवाते हैं कि गर्भ में लड़का है या लड़की। जबकि भारत में भ्रूण परीक्षण करवाना कानूनन अपराध है, फिर भी कई लोग अपनी घटिया सोच और कुछ डॉक्टर लालच में आकर इस गैरकानूनी कार्य को अंजाम देते हैं।

ऐसा ही एक मामला सूरत से सामने आया है, जहां गुप्त सूचना के आधार पर स्वास्थ्य विभाग ने दो अस्पतालों में चल रहे अवैध भ्रूण परीक्षण रैकेट का भंडाफोड़ किया है।

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के अमरोली इलाके में अवैध भ्रूण परीक्षण का खुलासा हुआ है। जिला स्वास्थ्य विभाग को शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई की गई। जांच में सामने आया कि अमरोली स्थित शिवम और ओमसाई अस्पतालों में अवैध रूप से भ्रूण परीक्षण कराया जा रहा था।

शिवम अस्पताल में यह धंधा चल रहा था, जबकि ओमसाई अस्पताल के डॉक्टर ज़डफिया और उसका रिक्शा चालक गर्भवती महिलाओं से संपर्क करते थे। इसके अलावा एजेंटों के माध्यम से भी महिलाओं को सिविल अस्पताल भेजा जाता था। भ्रूण में लड़का है या लड़की, यह जांचने के लिए 10 से 15 हजार रुपये तक वसूले जाते थे।फिलहाल स्वास्थ्य विभाग ने सोनोग्राफी मशीन को सील कर दिया है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। डॉ. ज़डफिया के साथ इस गिरोह में तीन और लोग शामिल थे। पूछताछ में सामने आया कि गर्भवती महिलाओं को भ्रूण परीक्षण के लिए शिवम अस्पताल भेजा जाता था।

अस्पताल से स्वास्थ्य विभाग को कई मरीजों के नंबर और लेन-देन से जुड़े ट्रांजैक्शन भी मिले हैं, जो कोर्ट में सबूत के तौर पर पेश किए जाएंगे।

भारत में Pre-Conception and Pre-Natal Diagnostic Techniques (PCPNDT) Act, 1994 के तहत भ्रूण में लिंग जांच या उसका खुलासा करना कानूनी अपराध है।

इस कानून को 2003 में और अधिक सख्त किया गया था।

अगर कोई डॉक्टर, लैब या परिवार इस कानून का उल्लंघन करता है, तो उसके लिए 5 साल की सज़ा और 50,000 तक का जुर्माना हो सकता है।

साथ ही, दोषी डॉक्टर का लाइसेंस सस्पेंड या रद्द भी किया जा सकता है।

यह कानून क्यों बनाया गया था?

स्त्री भ्रूण हत्या रोकने के लिए। 1980 के दशक में अल्ट्रासाउंड और अन्य तकनीकों से लिंग पता लगाना आसान हो गया था। कई जगहों पर अगर भ्रूण में लड़की होती थी तो गर्भपात कर दिया जाता था।

इससे लड़का-लड़की के अनुपात में भारी असमानता देखने को मिली।

1991 की जनगणना के अनुसार, 0-6 साल की उम्र के बच्चों में प्रति 1000 लड़कों पर लड़कियों की संख्या घटकर 927 रह गई थी।

हरियाणा, पंजाब और गुजरात जैसे राज्यों में यह स्थिति गंभीर थी।

इस तकनीक के दुरुपयोग को रोकने के लिए यह कानून बनाया गया।

लड़कियों के प्रति भेदभाव और पुरुष संतान की प्राथमिकता को खत्म करने के लिए यह सख्त कानून जरूरी था।

तीक्ष्ण हथियारों से कपड़ा दलाल आलोक अग्रवाल की हत्या
देर रात तीन बजे के करीब हमला कर आरोपी फरार

अज्ञात हत्यारों की तलाश में पुलिस जुटी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत पुलिस शहर में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कसने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर लींबायत इलाकेमें बीती रात हुई निर्मम हत्या ने पुलिस पेट्रोलिंग की असफलता को उजागर कर दिया है।

डुंभाल फायर स्टेशन के सामने रहने वाले एक कपड़ा दलाल पर अज्ञात लोगों ने तीक्ष्ण हथियारों से हमला कर उसकी हत्या कर दी और फरार हो गए। इस घटना से पूरे इलाके में भय और तनाव का माहौल है।

मृतक युवक का नाम आलोक झंडाराम अग्रवाल (उम्र 45 वर्ष) है, जो वाटिका टाउनशिप, डुंभाल फायर स्टेशन के सामने रहता था।

बीती रात करीब ढाई बजे, आलोक फायर स्टेशन के पास मौजूद था, तभी कुछ अज्ञात हमलावरों ने उस पर हमला कर दिया। चेहरे समेत शरीर के कई हिस्सों पर धारदार हथियारों से वार किए।

सिंधारा उत्सव पर भजनों की हाऊजी का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,श्री जीण माता सेवा ट्रस्ट महिला इकाई द्वारा माँ जीण का सिंधारा उत्सव का आयोजन शनिवार को किया गया। इस अवसर पर माँ जीण का भव्य दरबार सिटी-लाइट स्थित देवसर माता मंदिर हॉल में सजाया गया। श्रृंगारित दरबार के समक्ष दोपहर ढाई बजे से भजनों की हाऊजी का आयोजन किया गया। स्थानीय भजन गायिका सुरभि बीरजुका ने भजनों की प्रस्तुति देते हुए सभी महिलाओं को हाऊजी खिलाया। इस दौरान सिंधारा, श्रृंगार, राखी, चुनड़ी आदि उत्सवों का आयोजन किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने नाच-गाकर मैया को रिझाया। आयोजन में महिलायें परंपरागत पोशाक में उपस्थित रहीं। श्री जीण माता सेवा ट्रस्ट द्वारा सभी के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई थी। इस मौके पर महिला इकाई की आशा दोदराजका, सुमन अग्रवाल, रचना हेतमसरिया, सीमा चौकड़िका, अनिता दोदराजका, मंजू बेड़िया, स्वाति चौधरी, रीना टाटनवाला सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।

संकलन बैठक में विधायकों की तीखी प्रतिक्रिया

‘उधना की 16 सोसायटियों में बिना ड्रेनेज लाइन डाले ही बना दिए गए RCC रोड, लापरवाही करने वालों पर कार्रवाई हो’

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

संकलन बैठक में विधायकों ने फिर एक बार शहर में हो रहे अवैध निर्माणों के मुद्दे पर नगरपालिका अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की। इस दौरान यह भी मुद्दा उठा कि उधना जोन की 16 सोसायटियों में सीवर नेटवर्क की सुविधा दिए बिना ही RCC रोड बना दिए गए, जो स्पष्ट रूप से लापरवाही का मामला है।

विधायकों ने कहा कि, “ढाई साल पहले सर्कुलर जारी होने के बावजूद कैसे अवैध निर्माण हो गए? समय-समय पर नगर निगम द्वारा डिमोलिशन (तोड़क कार्यवाही) की जाती है, फिर भी नए अवैध निर्माण हो जाते हैं और सीवर की सुविधा अभी तक नहीं दी गई है।”

विधायक संदीप देसाई ने कहा, “गंभीर ब्रिज हादसे के बाद भी भाठा गांव का जर्जर ब्रिज तो बंद कर दिया गया है, लेकिन अब तक तोड़ा नहीं गया है। किसी हादसे के पहले नया ब्रिज बनना चाहिए।”

उन्होंने यह भी पूछा कि सोसायटियों में विकास कार्यों के लिए जनभागीदारी के आधार पर विधायक कितनी ग्रांट आवंटित कर सकता है, इसकी जानकारी दी जाए।

विधायक कांती बले ने बैठक में कहा कि शहर में मेट्रो रूट पर टीन की दीवारों के कारण ट्रैफिक जाम और कीचड़ की समस्या बढ़ गई है। काम बंद होने के बावजूद बैरिकेडिंग नहीं हटाई गई है, इन्हें तुरंत हटाया जाए।

उधना क्षेत्र की 55 सोसायटियों के लोग पिछले 4 सालों से ड्रेनेज सुविधा से वंचित’

संकलन बैठक में विधायक मनुभाई पटेल ने कहा कि 2021 से अब तक 55 सोसायटियां **ड्रेनेज**, पानी और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए आवेदन करती आ रही हैं, लेकिन अब तक जोन की ओर से **ड्रेनेज** लाइन के खर्च का अनुमान भी मंजूर नहीं किया गया।

विधायक अरविंद राणा ने फिर एक बार अवैध निर्माणों के मामले में पालिका अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने की बात कही। उन्होंने कहा कि 12 दिसंबर 2022 के सर्कुलर की अनदेखी कर डिमोलिशन के बाद फिर से निर्माण हुए हैं। बैठक में इन सभी संपत्तियों की सूची प्रस्तुत करने की मांग भी की गई।

एकल युवा द्वारा वनयात्रा का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,एफटीएस एकल युवा द्वारा वन यात्रा का आयोजन शनिवार को किया गया। यात्रा में सूरत आईसीएआई शाखा के 35 चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने हिस्सा लिया। सभी ने आदिवासी विस्तार में चल रही एकल विद्यालय का दौरा किया। इस दौरान सभी में वहाँ चल रही गतिविधियों का अवलोकन किया एवं संस्कार केन्द्रों के कार्यों का अच्छे से जाना। ग्रामीण लोगों द्वारा सभी का स्वागत किया गया। इस मौके पर बच्चों को स्कूल बैग का वितरण किया गया। यात्रा में एकल युवा के अनुराग जैन, दिलीप गहलोत सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहें।

गुजराती फिल्म ‘विश्वगुरु’ — सूरत की अपनी फिल्म

एक अनोखा अध्याय रचने वाली और राष्ट्रप्रेम को आधुनिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने वाली फिल्म ‘विश्वगुरु’अब रिलीज़

दर्शकों से इसे उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया भी मिल रही है।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के लिए यह गर्व की बात है कि इस फिल्म के निर्माता, निर्देशक और कलाकार सभी सूरत के ही हैं। फिल्म के निर्माता सतीश पटेल हैं, जबकि निर्देशन किया है शैलेष बोगाणी और अतुल सोनार ने बीते दो महीनों में जिनकी 4 गुजराती और 1 हिंदी फिल्में रिलीज़ हो चुकी हैं, ऐसे सूरत के कलाकार गौरव पासवाला फिल्म में अहम भूमिका में हैं। उनके साथ फिल्म में प्रमुख भूमिकाओं में शामिल हैं -मुकेश खन्ना, कुरुष देबू, कृष्ण भारद्वाज, मकरंद शुक्ल, श्रद्धा डांगर, हीना जयकिशन, सोनाली लेले, चेतन दैया, धर्मेश व्यास और जानी भाविनी सहित कई प्रतिष्ठित कलाकार। फिल्म के निर्माता सतीश पटेल ने बातचीत में बताया कि, > “विश्वगुरु में यह दिखाया गया है कि कैसे एक राष्ट्र आंतरिक अव्यवस्थाओं के बावजूद विश्व मंच पर अपना महत्व स्थापित कर सकता है। यह विचार मुझे पसंद आया और मैंने इस फिल्म के निर्माण के लिए हामी भर दी।” फिल्म का निर्देशन शैलेष बोगाणी और अतुल सोनार ने किया है, जबकि लेखन किया है किरिटभाई और अतुल सोनार ने। सुक्रित प्रोडक्शन और स्वस्तिक मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म का संगीत भी उतना ही प्रभावशाली है -संगीतकार हैं मेहुल सुरती और गीत लिखे हैं पार्थ तारपरा ने। गानों को स्वर दिया है आनंदी जोशी और हरिओम गढ़वी ने, जबकि फिल्म का संपादन संजय संकला ने किया है। निर्देशक शैलेष बोगाणी कहते हैं´: > “विश्वगुरु सिर्फ एक फिल्म नहीं है - यह एक ऐसे भारत की कल्पना है जहां संस्कृति, साहित्य और राष्ट्रभक्ति जीवित हो।” वहीं, अतुल सोनार कहते हैं: > “फिल्म सिनेमाघरों में चल रही है, एक बार जरूर देखें और राष्ट्रहित के इस संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाएं।”

अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट युवा इकाई का हुआ गठन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट की बोर्ड मीटिंग का आयोजन शुक्रवार को डुमस स्थित अग्र-एक्जोटिका के बोर्ड रूम में किया गया। मीटिंग में ट्रस्ट के अध्यक्ष नटवरलाल टाटनवाला ने युवा इकाई की नई कार्यकारिणी का अनाउंस किया। जिसमे देवन अग्रवाल को अध्यक्ष, नवीन अग्रवाल को सचिव, सीए रौनक अग्रवाल को कोषाध्यक्ष, मनीष अग्रवाल को आईपीपी, विवेक गाड़िया को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, पुनीत चनानिया को उपाध्यक्ष, गिरीश अग्रवाल को सहसचिव, वैभव बंसल को सहकोषाध्यक्ष एवं अमित जिंदल को संघटन मंत्री बनाया गया। ट्रस्ट द्वारा नई कार्यकारिणी के सभी सदस्यों को बधाई दी गई। मीटिंग में अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट के सचिव बृजमोहन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष सीए महेश मित्तल, वसंत अग्रवाल, नंदकिशोर तोला, पुखराज अग्रवाल, श्याम सुंदर सिहोटिया, सीए नितेश अग्रवाल सहित ट्रस्ट एवं युवा इकाई के अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।